रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

मंगलवार
08 सितंबर -2026
वर्ष 10, अंक 365
पेज 8, मूल्य 2 रुपए
रांची

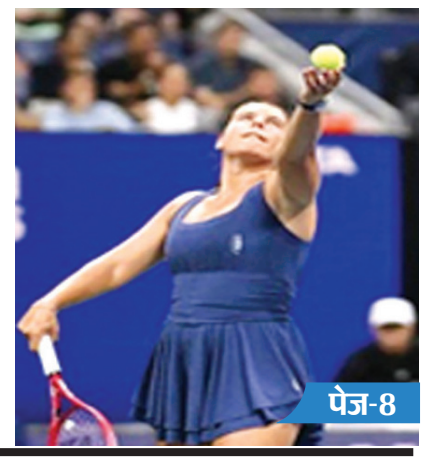

संक्षिप्त समाचार

अखिलेश बोले-12 घंटे में मस्जिद गिराने की क्या जल्दी थी

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार दोपहर लखनऊ के प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान यूपी की भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि सहारनपुर में 12 घंटे के अंदर मस्जिद गिरा दी गई, इतनी भी क्या जल्दी थी। सरकार बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 'पॉलिटिकल मेकअप' पर जनता का पैसा पानी की तरह बहा रही। अखिलेश ने कहा कि जो समाज में अच्छाई फैलाए, वही असली एआई (एआई) है। इसका इस्तेमाल सिर्फ अच्छे कामों के लिए होना चाहिए। जो लोग विपक्षी नेताओं को बदनाम करने के लिए नहीं। एआई से फर्जी वीडियो बनाएंगे, तो याद रखें कि वीडियो यहां से भी तैयार किया जा सकता है।

गुवाहाटी में पति ने पत्नी का सिर काटकर फ्रिज में रखा

दोनों हाथों की उंगलियां भी काटी

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के गुवाहाटी से एक युवक ने शादी के कुछ ही महीनों बाद पत्नी की क्रूर हत्या कर दी। आरोपी पति ने पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसके दोनों हाथों की उंगलियां भी काट दीं। हत्या के बाद पति फरार हो गया। मामले का खुलासा रविवार को तब हुआ जब, पड़ोसियों को घर से तेज बदबू आने लगी। शिकायत के बाद पुलिस अपार्टमेंट में पहुंची, पुलिस ने जब फ्लैट का ताला तोड़ा, तो कमरे में महिला का धड़ मिला। कमरे की तलाशी लेने पर फ्रिज में सिर मिला। महिला के दोनों हाथों की उंगलियां भी आधी कटी हुई थीं और शरीर सड़ना शुरू हो गया था।

36 हजार फीट पर प्लेन का ऑयल प्रेशर कम हुआ

नईदिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी के कारण एक इंजन के सहारे कोच्चि लौटना पड़ा और यहां इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। मीडिया सूत्रों के हवाले से बताया कि यह बोइंग 737 विमान अबू धाबी जा रहा था। करीब 50 मिनट की उड़ान के बाद पायलट ने इसके एक इंजन में ऑयल प्रेशर कम पाया। तब यह 36 हजार फीट की ऊंचाई पर था। इंजन में ऑयल खतरनाक स्तर तक कम हो गया, तब दोनों पायलट ने इसे बंद करने का फैसला किया। वे एक इंजन सहारे ही कोच्चि लौटे। चूंकि विमान ने करीब दो घंटे की ही उड़ान भरी थी इसलिए इसमें फ्यूल ज्यादा था। ऐसे में यह ओवरवेट लैंडिंग थी, जो और भी जोखिम भरी होती है।

एअर इंडिया ने कहा, 'एक हफ्ते पहले हमारी कोच्चि-अबू धाबी की एक फ्लाइट ने तय सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत वापस कोच्चि लौटने का फैसला किया था।

मछलियों में फैल रहे एक दुर्लभ कैंसर ने बढ़ाई वैज्ञानिकों की चिंता

क्या इंसानों में भी फैल सकता है यह कैंसर?

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैज्ञानिकों ने ब्राउन बुलहेड कैटफिश में दुनिया का पहला ऐसा कैंसर खोजा है जो एक जीव से दूसरे जीव में फैल सकता है। नेचर जर्नल में छपी रिसर्च के अनुसार, यह कैंसर मेलेनोमा (स्किन कैंसर) का एक प्रकार है जो अमेरिका-कनाडा बॉर्डर पर मौजूद एक झील की मछलियों में फैल रहा है। वैज्ञानिकों ने इस बात की पुष्टि की है कि नॉर्थ अमेरिकन ब्राउन बुलहेड कैटफिश में कैंसर सेल्स एक मछली से दूसरी मछली में फैल रहे हैं। नेचर में छपी यह स्टडी मीठे पानी के इकोसिस्टम में पाया गया पहला और जंगली जीवों में पाया गया चौथा ऐसा कैंसर है जो एक जीव से दूसरे जीव में फैल सकता है।

आम कैंसर जो किसी इंसान के अपने सेल्स से होते हैं, उनसे अलग, फैलने वाले कैंसर लगभग पैरासाइट की तरह काम करते हैं. कैंसर सेल्स एक होस्ट को छोड़कर दूसरे पर हमला करते हैं और बढ़ते रहते हैं। ऐसे कैंसर नेचर में बहुत कम होते हैं और पहले सिर्फ कुत्तों, तस्मानियन डेविल्स और कुछ शेलफिश स्पीशीज में ही रिपोर्ट किए गए थे। हालांकि, कैटफिश में यह खोज जानवरों में पहचाने गए नेचुरली होने वाले फैलने वाले कैंसर का सिर्फ चौथा मामला है। इस खोज ने सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े एक अहम सवाल को फिर से

खड़ा कर दिया है, क्या इस तरह का कैंसर इंसानों में भी फैल सकता है? वैज्ञानिकों का जवाब है नहीं, इंसानों में कैंसर छूने, खाना शेयर करने, मरीज की देखभाल करने, खांसने या किसी भी तरह के रेगुलर सोशल कॉन्टैक्ट से नहीं फैलता है। हमारा इम्यून सिस्टम बाहरी सेल्स को पहचानने और खत्म करने के लिए बना है, जिसमें दूसरे इंसान के कैंसर सेल्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, लोगों के बीच जेनेटिक अंतर मजबूत बायोलॉजिकल रुकावटें बनाते हैं जो ऐसे सेल्स को नए होस्ट में जिंदा रहने से रोकते हैं। इसके अलावा, यह ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) और हेपेटाइटिस बी जैसे संक्रमणों से जुड़े कैंसर से बहुत अलग है। एचपीवी और हेपेटाइटिस बी जैसे वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकते हैं। इन वायरस से होने वाला कैंसर संक्रामक नहीं होता है. यह कैंसर दूसरे व्यक्ति को नहीं होता है। समय के साथ, ये संक्रमण कुछ कैंसर के खतरे को बढ़ा सकते हैं, जैसे गर्भाशय ग्रीवा कैंसर, कुछ सिर और गर्दन के कैंसर और लिवर कैंसर।

आज भी भारत में कैंसर से जुड़े कई मिथक, अंधविश्वास और सामाजिक कलंक मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस खोज को सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता के बजाय एक वैज्ञानिक सफलता के रूप में देखा जाना चाहिए। यह अध्ययन शोधकर्ताओं को कैंसर के विकास और उस पर प्रतिरक्षा प्रणाली की प्रतिक्रिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है, लेकिन यह इस तथ्य को नहीं बदलता है कि कैंसर मनुष्यों में एक गैर-संचारी रोग है।

मप्र-सागर में जहरीली शराब मामला

तीन और मरीजों की मौत

- अब तक 22 मौतों का दावा, आंकड़ों पर प्रशासन मौन
- 112 की हालत बिगड़ी, सागर-भोपाल में भर्ती; शराब ठेकेदार समेत 30 पर केस, 10 गिरफ्तार

भोपाल/सागर (एजेंसी)। सागर में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या 22 हो गई है। मरने वालों में पिता-पुत्र भी शामिल हैं। 112 लोग ऐसे हैं, जिनकी जहरीली शराब पीने से हालत बिगड़ी है। उन्हें सागर और भोपाल के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मामले में शराब बेचने वाले ठेकेदार समेत 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से 10 को अरेस्ट कर लिया गया है। सोमवार सुबह महेश रावत (55), श्याम बाई अहिरवार (50) और कृष्ण कुमार लोधी ने दम तोड़ा। इससे पहले एयरलिफ्ट कर भोपाल लाए गए राम प्रसाद लोधी की रविवार देर रात को मौत हुई थी। उनके पिता

गोविंद लोधी ने भी रविवार को दम तोड़ दिया था। रामप्रसाद का छोटा भाई भूरे लोधी सागर में भर्ती है।वहीं, दोपहर में गूगरा खुर्द निवासी भगवान सिंह (35), खटोरा निवासी गोपाल आदिवासी (40) और देश कुमार लोधी, निवासी मुड़ना पैरा की भी मौत हुई है।

परिजन बोले- शराब पीने के बाद बिगड़ी तबीयत- जहरीली शराब से मरने वाले महेश के भतीजे श्रवण कुमार रावत ने बताया कि चाचा ने कल शाम को शराब पी थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ी थी।

एक शख्स ने पूछा था- जहरीली शराब तो नहीं है

बंडा थाने में दर्ज एफआईआर के अनुसार, फरियादी अनूप सिंह लोधी ने बताया कि उसके गांव में करीब 8 लोग अवैध रूप से शराब बेचते हैं। 4 सितंबर को वह अपने भतीजे राजेंद्र लोधी के साथ जुझार लोधी की दुकान पर गया था। जुझार ने बताया कि बरेठी के लाइसेंसी शराब ठेकेदार यशवंत सिंह, मनीष लोधी और बंडा निवासी आशीष साहू ने आकाश राय, रहीम खान, सत्यम, आशाराम, अरविंद, रविंद्र, रोहित, अनिकेत गंधर्व और माखन के माध्यम से अपनी गाड़ी से नया सस्ता ब्रांड भेजा है। उसने कहा कि यह शराब दुकान से 20 रुपए सस्ती मिलेगी।

दिल्ली 5 मंजिला बिल्डिंग हादसा

अब तक 7 मौतें, मालिक राजस्थान से हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हॉस्टल के मालिक हरिराम बंसल को पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू टीम ने सोमवार सुबह मलबे से एक और शव निकाला। उधर 12 लोगों को बचाया गया है। इनमें 5 की हालत गंभीर है। अभी भी कुछ लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू डॉग और कैमरे के सहायता से लोगों की तलाश की जा रही है।

सत्य निकेतन की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण, एमसीडी- और डीयू जिम्मेदार: हाईकोर्ट

दिल्ली हाईकोर्टदिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में हुए दर्दनाक इमारत हादसे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने गहरी नाराजगी और दुख जताया है। अदालत ने सोमवार को इस घटना को बेहद

दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि इसके लिए केवल इमारत के मालिक ही नहीं, बल्कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। गौरतलब है कि रविवार को हुए इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

एशियाई खेल 2026 के लिए झारखंड की साइकि लिस्ट सरिता कुमारी का भारतीय टीम में चयन

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: जापान के नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले 20वें एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय टीम में झारखंड की प्रतिभाशाली साइकिलिस्ट सरिता कुमारी का चयन हुआ है। सरिता कुमारी के भारतीय साइकिलिंग दल में चयन से झारखंड के खेल जगत में खुशी और उत्साह का माहौल है। साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव मनिंदर पाल सिंह और झारखंड साइकिलिंग संघ के महासचिव शैलेंद्र पाठक ने संयुक्त रूप से कहा कि सरिता कुमारी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की विभिन्न साइकिलिंग प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा साबित की है। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत,

अनुशासन और शानदार प्रदर्शन के परिणामस्वरूप सरिता कुमारी को एशियाई खेल जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला है। यह उपलब्धि झारखंड में साइकिलिंग के बढ़ते स्तर और राज्य के खिलाड़ियों की प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही पहचान का प्रमाण है। सरिता कुमारी के भारतीय टीम में चयन पर खेल सचिव मुकेश कुमार, खेल निदेशक छवि रंजन, राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय हांसदा, पर्यटन निदेशक नमन प्रियेश लकड़ा, झारखंड साइकिलिंग संघ के अध्यक्ष मधुकांत पाठक, महासचिव शैलेंद्र पाठक, कोषाध्यक्ष रणवीर सिंह, उपाध्यक्ष अम्लान कुसुम सिन्हा, सुरजीत कुमार, शिर्डी सिंह, पुष्पा हसन, जितेंद्र महतो, दिलीप गुप्ता, शशिकांत पांडे, दीपक हेंब्रम, रितेश झा, नरेश कुमार, ओम प्रकाश गुप्ता, चंद्र बहादुर सिंह, राजकुमार मेहता, प्रोन्नति रानी सिंह, सतविंदर कौर, तस्लीम खान और अनिता ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इसके अलावा झारखंड स्टेट स्पोर्ट्स प्रमोशन सोसाइटी के प्रशिक्षक रामकुमार भट्ट और प्रथम शर्मा ने भी सरिता कुमारी को बधाई दी। सभी ने विश्वास जताया कि सरिता एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन कर देश और झारखंड का नाम रोशन करेंगी।

बहू ने नौकर से कराई करोड़पति ससुर की हत्या

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में करोड़पति दवा करोबारी विनीत मिनोचा (63) की हत्या उनकी 30 साल की इकलौती बहू ने कराई थी। हत्यारोपी नौकर के कबूलनामे के बाद पुलिस ने कारोबारी की बहू शालू को हिरासत में ले लिया। पहले वह पुलिस को गुमराह करती रही। फिर सख्ती करने के बाद उसने अपना जुर्म कबूल लिया। पूछताछ में बहू ने रोते हुए कहा- करोड़पति परिवार की बहू होने के बाद भी मेरे और पति के खर्च पर ससुर का पूरा नियंत्रण था। कर्मचारियों की तरह हर महीने तय रकम मिलती थी। छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी ससुर से पैसे मांगने पड़ते थे। इसलिए उसे रास्ते से हटाने के लिए नौकर विशाल (30) को सुपारी दे दी। पुलिस ने शालू की कॉल डिटेल भी निकालवाई है। पता कर रही है कि विशाल और शालू के बीच हत्या वाले दिन कितनी बार बात हुई।

एक्सप्रेस-वे पर टक्कर से पलटी पिकअप, कई मीटर घिसटी, 19 घायल

बागपत में 13 श्रद्धालुओं की मौत, 30-मीटर तक बिखरीं थीं लाशें

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत में श्रद्धालुओं से भरी पिकअप टक्कर के बाद पलट गई। हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 7 पुरुष, 3 महिलाएं, 3 बच्चे हैं। 19 से ज्यादा श्रद्धालु घायल हैं। पिकअप में 32 श्रद्धालु सवार थे। ये राजस्थान के बागड़ धाम (गोगामेड़ी) से बदायूं लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 1 बजे पिकअप को तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। फिर घिसटते हुए सड़क के बीचों-बीच पलट गई। ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर हुआ हादसा इतना भयावह था कि लाशें 30 मीटर दूर तक बिखर गईं। चीख-पुकार मच गई। धमाके जैसी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर पड़े घायलों को सड़क किनारे किया। फिर पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसा जिला मुख्यालय से 15 किमी दूर खेकड़ा कोतवाली क्षेत्र में बसी और बड़ा गांव के बीच हुआ।

राजस्थान में दर्शन करने के बाद अपने घर बदायूं लौट रहे थे

हादसे में घायल कुंवरपाल ने बताया- हम सभी बदायूं के अल्लापुर चमारी गांव के रहने वाले थे। सभी बागड़ धाम से लौट रहे थे। रात के समय गाड़ी में सो रहे थे। अचानक तेज आवाज के साथ गाड़ी पलट गई। ड्राइवर ने बताया कि पीछे से आ रहे वाहन ने उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी है। बागड़ धाम यात्रा उत्तर भारत की प्रसिद्ध धार्मिक यात्रा है। श्रद्धालु राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में स्थित 'गोगामेड़ी' (बागड़ धाम) के लिए जाते हैं। यहां जाहरवीर बाबा गोगा जी महाराज (गोगा नाथ जी) का समाधि स्थल है। अगस्त-सितंबर में यहां लाखों श्रद्धालु उमड़ते हैं। हादसे में मरने वालों में साधु (60), उसकी पत्नी मुन्नी देवी (55) और भाई प्रेम सिंह (40 की मौत हो गई। इसके अलावा गांव के ही सुगड़पाल (40), रामेश्वर यादव (60), जितेंद्र (7), प्रेमवती (50), दीक्षा (2), भानुमति (52), विकास (32), मूर्ति (35), सौरव (4) और 45 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

विधायक पुत्र के अपहरण की अफवाह निकली झूठी, रांची पुलिस ने किया खुलासा

शराब के नशे में दो छात्र गुटों में मारपीट

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची। सूत्रों से पता चल कि चतरा विधायक के पुत्र सौरव के अपहरण की खबर को रांची पुलिस ने सिरे से खारिज कर दिया है। पुलिस का कहना है कि यह अपहरण का मामला नहीं, बल्कि शराब के नशे में दो छात्र गुटों के बीच हुई मारपीट का मामला है।सिटी एसपी ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि सौरव अपने दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी रहा था। इसी दौरान उसके

एक दोस्त ने विश्वविद्यालय के एक अन्य छात्र को फोन किया। नशे की हालत में दोनों पक्षों के बीच फोन पर ही कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई।विवाद इतना बढ़ गया कि दूसरा पक्ष मौके पर पहुंच गया और दोनों गुटों में झड़प हो गई। मारपीट के दौरान एक वाहन की खिड़की तोड़ने का भी प्रयास किया गया। इसके बाद सौरव के साथ मारपीट की गई और उसे जबरन वाहन में बैठाकर आसपास के इलाके में घुमाया गया। बाद में उसे विधानसभा के पास छोड़ दिया गया।पुलिस ने दूसरे गुट के छात्रों की पहचान कर ली है। कुछ युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। दोनों पक्षों का मेडिकल टेस्ट कराया जा रहा है ताकि शराब के सेवन की पुष्टि हो सके। पुलिस ने कहा है कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के 82 स्कूलों को मिला गोल्ड मेडल, रांची के 6 प्राचार्य राजस्थान में लेंगे खास ट्रेनिंग

रांची, एजेंसी। राज्य में थर्ड पार्टी के माध्यम से 1456 विद्यालयों का थर्ड पार्टी सर्टिफिकेशन कराया गया था। इनमें 82 विद्यालयों को गोल्ड मेडल मिला है। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया जायेगा। प्रशिक्षण के लिए चयनित शिक्षक राजस्थान जायेंगे। रांची से छह विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों का चयन प्रशिक्षण के लिए किया गया है। इनमें पीएम श्री आजाद हाइस्कूल के कुर्बान अली, मध्य विद्यालय बजरा के जीतेंद्र कुमार, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बरियातू के दीपक कुमार, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट जिला विद्यालय की डॉ यासमिन, मध्य विद्यालय जगन्नाथपुर के राजेश रंजन और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय लापुंग की अंजू मुंडा शामिल हैं। चयनित शिक्षक 16 सितंबर को रांची से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। इसके बाद प्रशिक्षण के लिए राजस्थान जायेंगे। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को एक दिन स्थानीय स्कूलों का भ्रमण भी कराया जायेगा। इस दौरान उन्हें विद्यालयों की शैक्षणिक व्यवस्था और बेहतर कार्यप्रणाली से परिचित कराया जायेगा।

शौचालय बनवाने के लिए मिलेंगे 12 हजार रुपये

जमशेदपुर, एजेंसी। ग्रामीण इलाकों में साफ-सफाई को बढ़ावा देने और हर घर में शौचालय की सुविधा पहुंचाने के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (जमशेदपुर) ने अच्छी पहल की है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत अब गांव के जरूरतमंद परिवारों को अपने घर में पक्का शौचालय बनाने के लिए सरकार की तरफ से 12 हजार रुपये की मदद दी जायेगी। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (जमशेदपुर) के कार्यपालक पदाधिकारी शिव कुमार दिनकर ने पात्र ग्रामीणों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द आवेदन करें और योजना का लाभ उठाकर अपने घर में शौचालय जरूर बनवायें। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (जमशेदपुर) के कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि लोग दो तरीकों से योजना के लिए आवेदन कर सकते हैं। पहला, स्वच्छ भारत मिशन की वेबसाइट पर जाकर खुद से फॉर्म भर सकते हैं। दूसरा, अपने गांव के मुखिया या जल सहिया के पास आधार कार्ड और बैंक पासबुक की फोटोकॉपी जमा करके फॉर्म भरवा सकते हैं। लाभुक को अपने घर में दो गड्ढे वाला (डबल पिट) पक्का शौचालय बनाना होगा। काम पूरा होने के बाद गांव के मुखिया और जल सहिया आकर जांच करेंगे और सत्यापन पत्र विभाग को भेजेंगे। जांच पूरी होते ही डीबीटी के जरिये लाभुक के बैंक खाते में 12 हजार रुपये ट्रांसफर कर दिये जायेंगे।

रांची में 8 सितंबर से शुरू होगा पर्युषण पर्व, आठ दिनों तक होंगे धार्मिक कार्यक्रम

रांची, एजेंसी। श्री जैन श्वेतांबर साधुमार्गी संघ की ओर से जैन धर्म के प्रमुख पर्वाधिराज पर्युषण के अवसर पर आठ दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन 8 सितंबर से दिगंबर जैन भवन, हरमू रोड में किया जायेगा। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से 9:30 बजे तक प्रवचन होगा। इसके बाद अल्पाहार और दिन में धर्म चर्चा का आयोजन किया जायेगा। वहीं, शाम छह बजे प्रतिक्रमण व स्वाध्याय के माध्यम से आत्मचिंतन, संयम और आत्मशुद्धि की प्रेरणा दी जायेगी। पर्युषण पर्व की आराधना को सफल बनाने के लिए दो स्वाध्यायी बहनें पुष्पाजी ओस्तवाल और ज्योतिजी ओस्तवाल छत्तीसगढ़ से सोमवार की सुबह 4:30 बजे हटिया स्टेशन पहुंचेंगी। श्री संघ के सदस्य स्टेशन पहुंचकर उनका स्वागत और अगवानी करेंगे। साधुमार्गी संघ के सचिव उत्तम जैन ने कहा कि पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पर्व नहीं, बल्कि आत्मावलोकन, आत्मसंयम, क्षमा, तप, त्याग और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का अवसर है। उन्होंने कहा कि इन दिनों श्रद्धालुओं को अपनी दिनचर्या में धर्म और स्वाध्याय को अधिक स्थान देकर आत्मिक उन्नति की दिशा में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। श्री संघ के अध्यक्ष अशोक सुराणा ने कहा कि सामूहिक धर्माराधना से पर्व की आध्यात्मिक ऊर्जा और प्रभाव और अधिक बढ़ता है। उन्होंने रांची के समस्त जैन समाज और धर्मप्रेमी सदस्यों से सपरिवार कार्यक्रम में शामिल होकर पर्युषण पर्व की आराधना का लाभ लेने का आह्वान किया। पर्युषण पर्व के सभी कार्यक्रम श्री साधुमार्गी जैन संघ, समता युवा संघ और समता महिला मंडल के सहयोग से आयोजित किये जा रहे हैं। बैठक में अध्यक्ष अशोक सुराणा, मंत्री उत्तम जैन, समता युवा संघ के अध्यक्ष राकेश बच्छावत सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

समाजसेवी संजय सिंह के निधन से पंचायत में शोक, बेरमो बीडीओ ने अर्थी को दिया कंधा

बेरमो, एजेंसी। प्रखंड की बैदकारो पश्चिमी पंचायत के समाजसेवी सह मुखिया पति संजय सिंह का निधन हो गया। उनके निधन की खबर से पंचायत क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गयी। सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहने वाले संजय सिंह के निधन पर जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों और समाजसेवियों ने गहरा दुख व्यक्त किया। निधन की सूचना मिलने पर रविवार को बेरमो बीडीओ मुकेश कुमार अंतिम यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने दिवंगत संजय सिंह की अर्थी को कंधा देकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस दुख की घड़ी में हरसंभव सहयोग एवं मदद का भरोसा दिलाया। बीडीओ मुकेश कुमार ने कहा कि संजय सिंह का निधन उनके परिवार के साथ-साथ पूरे पंचायत क्षेत्र के लिए भी अपूरणीय क्षति है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़ा है।अंतिम यात्रा में पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति देने की कामना की।

एमडीएम के 1037 क्विंटल चावल का हिसाब गायब

तत्कालीन सहायक गोदाम प्रबंधक पर पुलिस ने दाखिल की चार्जशीट

देवघर, एजेंसी। मोहनपुर प्रखंड में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना (एमडीएम) के लिए आवंटित 1037 क्विंटल सरकारी चावल के गबन के मामले में पुलिस ने अनुसंधान पूरा करते हुए तत्कालीन जनसेवक सह पूर्व सहायक गोदाम प्रबंधक सुनील कुमार के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर दिया है। मोहनपुर थाना कांड में पुलिस ने आरोप पत्र संख्या 160/26 दिनांक 18 अगस्त 2026 को न्यायालय में समर्पित किया है। अनुसंधान में आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने की बात चार्जशीट में कही गयी है।

चार्जशीट के अनुसार, अप्रैल 2024 से सितंबर 2024 के बीच मोहनपुर प्रखंड गोदाम से एमडीएम का कुल 1037 क्विंटल चावल गायब पाया गया था। इसमें अप्रैल से जून 2024 की पहली तिमाही का 62 क्विंटल तथा जुलाई से सितंबर 2024 की दूसरी तिमाही का 975 क्विंटल चावल शामिल है। उक्त अवधि में सुनील कुमार जेएसएफसी मोहनपुर के सहायक गोदाम प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे।

पुलिस ने घटनास्थल के निरीक्षण, गवाहों के बयान और उपलब्ध दस्तावेजों के आधार पर मामले को सत्य पाया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 338, 336(3), 340(2), 318(4) और 316(4) के तहत आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

मोहनपुर प्रखंड में एमडीएम के लिए आवंटित 1037 क्विंटल चावल के उठाव में गड़बड़ी का मामला वर्ष 2025 में सामने आया था। तत्कालीन प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी संत मर्सी टुडू ने जेएसएफसी मोहनपुर के तत्कालीन सहायक गोदाम प्रबंधक सह जनसेवक सुनील कुमार के खिलाफ प्राथमिकी के लिए आवेदन दिया था।

अप्रैल से जून 2024 तक 62 क्विंटल और जुलाई से सितंबर 2024 तक 975 क्विंटल, कुल 1037 क्विंटल चावल प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत विद्यालयों के लिए आवंटित था।

शिकायत में चावल के उठाव व विद्यालयों तक पहुंचने से संबंधित अभिलेखों में हेरफेर का आरोप लगाया गया था। विभागीय निर्देश पर दस्तावेजों और संबंधित रिकॉर्ड की जांच की गयी थी।

देवघर बाजार में सामान खरीद रही महिला का थैला कटा, 16 हजार नकद व चांदी का सिक्का वाला पर्स गायब

देवघर, एजेंसी। सारवां थाना क्षेत्र के लखोरिया मोड़ निवासी तुलसी पाल का थैला काटकर चोर ने देवघर बाजार में 16 हजार रुपये नकद व चांदी का सिक्का रखा पर्स चोरी कर लिया। तुलसी सिलाई मशीन खरीदने देवघर आयी थी। घटना दोपहर बाद करीब 3:30 से 4:00 बजे के बीच की बतायी गयी है।

जानकारी के अनुसार, टावर चौक के अंदर बाजार में नाइटी खरीदने के बाद तुलसी ने दुकानदार को पैसे दिये और वहां से निकल गयी। इसी दौरान बाजार की भीड़ में किसी ने उनका थैला काटकर पर्स उड़ा लिया।

इसके बाद तुलसी सिलाई मशीन खरीदने के लिए एक दुकान पर पहुंची। वहां थैला खोलने पर पर्स गायब मिला और थैला कटा हुआ पाया। इसके बाद वह शिकायत देने नगर थाना पहुंची।

पुलिस को दिये आवेदन में तुलसी ने बताया कि बाजार में चार महिलाएं उनका पीछा कर रही थीं। तुलसी ने आशंका जतायी कि उन्हीं महिलाओं ने भीड़ का फायदा उठाकर थैला काटकर पर्स चोरी की है।

पीड़िता ने नगर थाना में शिकायत देकर चोरी गये रुपये बरामद करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

जेएसएससी-सीजीएल नियुक्ति विवाद में 245 कर्मियों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, हटाने के आदेश पर रोक

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

रांची: झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा से जुड़ी नियुक्तियों के विवाद में झारखंड हाईकोर्ट ने 245 कर्मियों को बड़ी राहत दी है।

न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत ने नियुक्तियां रद्द कर चयनित कर्मियों को हटाने के राज्य सरकार के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी है।यह मामला झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के विज्ञापन संख्या 10/2023 के तहत नियुक्त 245 कर्मियों से जुड़ा है। सरकार के नियुक्तियां रद्द करने के फैसले को चुनौती देते हुए निरोज समेत 245 कर्मियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं ने नियुक्ति रद्द करने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की थी।सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार के आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए राज्य सरकार और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग को 15 सितंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इसके बाद मामले में आगे की सुनवाई होगी।राज्य सरकार ने आपराधिक जांच विभाग की जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर भर्ती परीक्षाओं को लेकर कार्रवाई की थी। इसके बाद झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा समेत विभिन्न परीक्षाओं से संबंधित नियुक्तियों पर भी सवाल उठे थे। हाईकोर्ट के अंतरिम आदेश के बाद फिलहाल 245 कर्मियों को बड़ी राहत मिली है। हालांकि, यह केवल अंतरिम राहत है। नियुक्तियों की वैधता पर अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है। राज्य सरकार और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से जवाब दाखिल किए जाने के बाद अदालत मामले में आगे सुनवाई करेगी। हाईकोर्ट की रोक के बाद विज्ञापन संख्या 10/2023 के तहत नियुक्त 245 कर्मियों को फिलहाल हटाया नहीं जा सकेगा। मामले का अंतिम निर्णय अदालत की आगामी सुनवाई के बाद होगा। अगर चाहें तो इसे मैं दैनिक अखबार की शैली में और ज्यादा प्रभावी एवं धारदार भाषा में भी बना सकता हूं।

बेलगढ़िया टाउनशिप विस्थापित क्षेत्र में भाकपा माले की अति आवश्यक बैठक संपन्नः

शाखा समिति का गठन, बुद्धेश्वर पासवान बने सचिव और सुरेश भुइयां बने सह-सचिव

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची,/

बलियापुर / धनबाद: धनबाद ।भाकपा माले बलियापुर कमेटी की ओर से बेलगढ़िया टाउनशिप विस्थापित क्षेत्र में एक अति आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाकपा माले नेत्री सीमा पासवान ने की तथा मंच संचालन बुद्धेश्वर पासवान द्वारा किया गया। बैठक के मुख्य अतिथि सिंदरी के पूर्व विधायक, पोलित ब्यूरो सदस्य एवं वरिष्ठ वामपंथी नेता कामरेड आनंद महतो उपस्थित थे।बैठक के मुख्य बिंदु एवं विचार विमर्शः शाखा समिति का गठनः बेलगढ़िया में संगठन को मजबूती देने और विस्थापितों के अधिकारों की लड़ाई को धारदार बनाने के लिए भाकपा माले शाखा समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से बुद्धेश्वर पासवान को शाखा सचिव एवं सुरेश भुइयां को सह-सचिव चुना गया। मुख्य अतिथि कामरेड आनंद महतो ने दोनों नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया व बधाई दी।9 सितंबर को विशाल आंदोलनः वर्तमान खान खनिज विधेयक के विरोध में आने वाली 9 सितंबर को धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर एक विशाल आंदोलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया। भ्रष्टाचार एवं जनमुद्दों पर घिरावः विस्थापितों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के विकास और बुनियादी सुविधाओं के लिए आने वाली सरकारी राशि की खुलेआम लूट-खसोट और बंदरबांट हो रही है। धरातल पर काम नहीं दिख रहा, जबकि उच्च अधिकारियों को गुमराह कर झूठी बात बताई जाती हैनागरिक सुविधाओं का घोर अभावः टाउनशिप में बिजली कटने या पेयजल आपूर्ति की मोटर जलने पर सुध लेने वाला कोई नहीं है। केवल आश्वासन देकर टालमटोल किया जा रहा है।नेताओं के वक्तव्यः पूर्व विधायक कामरेड आनंद महतोः 'जब तक विस्थापित जनता एकजुट होकर सही विचारों के साथ भाकपा माले से नहीं जुड़ेगी, तब तक धरातल पर शोषण और उपेक्षा झेलनी पड़ेगी। केवल लाल झंडा ही एक मात्र ऐसी ताकत है जो जनता के हर छोटे-बड़े मुद्दे पर सड़क पर उतरकर संघर्ष करती है और आंदोलन को अंजाम तक पहुंचाती है। 'वरिष्ठ नेता एवं राज्य समिति सदस्य आनंद महिपालः 'लाल झंडा हमेशा लाठी और धक्के खाने वाले, शोषित एवं पीड़ित वर्ग के साथ खड़ा रहा है। भाकपा माले के कार्यकर्ता और समर्थक हर लड़ाई में सबसे आगे रहते हैं और वे कभी जेल जाने या मुकदमों से नहीं डरते। विस्थापितों के हक और अधिकार की लड़ाई हर हाल में लड़ी जाएगी। 'जिला सचिव बिंदा पासवानः 'हम सभी को एकजुट होकर हर कार्य को ईमानदारी से आगे बढ़ाना होगा। योजनाओं का सही लाभ तभी मिलेगा जब बिचौलियों और दलालों के वर्चस्व को खत्म कर हम अपनी बात सीधे जिला प्रशासन व माननीय डीसी तक मजबूती से पहुंचाएंगे। इसका एकमात्र माध्यम भाकपा माले है।

रांची में 35 रुपये किलो प्याज : केंद्र सरकार की पहल पर एनसीसीएफ ने की है व्यवस्था

रांची, एजेंसी। खुदरा बाजार में प्याज की बढ़ती कीमतों से परेशान आम लोगों को राहत देने के लिए नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड यानी ह्यष्ट्रस्त्र की ओर से रांची में रियायती दर पर प्याज की बिक्री शुरू की गई है। बाजार में जहां प्याज करीब 60 से 70 प्रति किलो बिक रहा है।

वहीं एनसीसीएफ आम उपभोक्ताओं को 35 प्रति किलो की दर से प्याज उपलब्ध करा रहा है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को बाजार की तुलना में कम कीमत पर प्याज उपलब्ध कराना और बढ़ी हुई खुदरा कीमतों से राहत देना है।

रांची में एनसीसीएफ के शाखा प्रबंधक प्रिंस कुमार ने बताया कि सरकारी दर पर प्याज बेचने की शुरुआत 6 सितंबर को की गई है, लेकिन आज 7 सितंबर से इसका दायरा और बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि जब भी प्याज की कीमत अप्रत्याशित रूप से बढ़ती है तो केंद्र सरकार की पहल पर एनसीसीएफ सरकारी दर पर बेचने की प्रक्रिया शुरू करता है। रांची में किशोरगंज के पास बड़ी संख्या में आम लोग सस्ते दर पर प्याज खरीदते नजर आए। उपभोक्ताओं ने केंद्र सरकार के इस पहल की तारीफ की। रांची में आज एनसीसीएफ की ओर से 10 स्थानों पर मोबाइल वैन के जरिए प्याज की बिक्री की जा रही है।

एनसीसीएफ की इस व्यवस्था के तहत एक उपभोक्ता को अधिकतम 2 किलो प्याज दिया जा रहा है। एक व्यक्ति को 35 प्रति किलो की दर से अधिकतम 2 किलो प्याज मिल सकेगा। मोबाइल वैन के जरिए अलग-अलग इलाकों में बिक्री की जा रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं तक सस्ती दर पर प्याज पहुंचायी जा सके।

आज सरकारी दर पर ब्याज की बिक्री के लिए चुटिया एरिया, कोकर, कुसई कॉलोनी, हिनू चौक, धुर्वा में सेक्टर-1, पंडरा में रवि स्टील के पास, बजरा, जतरा टांड़-पिस्का मोड़, रातू रोड और अपर बाजार में बड़ा तालाब के पास गाड़ी लगाई गई है।

यदि आप भी खुदरा बाजार में प्याज की बढ़ी कीमतों से राहत पाना चाहते हैं, तो इन स्थानों पर पहुंचकर 35 प्रति किलो की दर से प्याज खरीद सकते हैं, हालांकि, एक उपभोक्ता को अधिकतम 2 किलो प्याज ही उपलब्ध कराया जा रहा है।

एनसीसीएफ की ओर से शुरू की गई यह पहल फिलहाल रांची से शुरू हुई है, आने वाले दिनों में मोबाइल वैन के जरिए झारखंड के दूसरे जिलों तक भी इस सुविधा का विस्तार किए जाने की तैयारी है। एनसीसीएफ की कोशिश है कि उपभोक्ताओं को उचित दर पर प्याज उपलब्ध कराया जाए और बाजार में कीमतों को नियंत्रित रखने में मदद मिले।

दिवंगत माननीय मंत्री सुदिव्य कुमार के असामयिक निधन पर जिला प्रशासन ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि; समाहरणालय में आयोजित हुई शोक सभा.....

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

देवघर। दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार के असामयिक निधन पर आज समाहरणालय सभागार में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया एवं पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर सहित जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के समस्त पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिवंगत मंत्री को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके अलावा शोक सभा के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से प्रार्थना की। इस अवसर पर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने दिवंगत मंत्री के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका असमय निधन समाज और राज्य के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। शोक सभा में अपर समाहर्ता हीरा कुमार के साथ जिला स्तर के विभिन्न विभागों के अधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, समाहरणालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

अग्नि प्रभावित गोधर 15 नंबर पाण्डेय मोहल्ला में बीसीसीएल अधिकारी ने किया सर्वे, कई लोगों के नाम पर लगी मुहर

सर्वे के बाद प्रभावित लोगों को जल्द बेलगाड़ियां में सभी सुविधाओं के साथ बसाने की तैयारी, स्थानीय लोगों में जगी उम्मीद

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। अग्नि प्रभावित गोधर 15 नंबर पाण्डेय मोहल्ला में बीसीसीएल अधिकारियों की ओर से सर्वे का कार्य किया गया। सर्वे के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र में पहुंचकर प्रभावित इलाकों और वहां रहने वाले लोगों की स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान कई लोगों के नाम पर मुहर लगाए जाने की बात सामने आई है। सर्वे की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब प्रभावित लोगों को आगे की कार्रवाई का इंतजार है। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि जिन लोगों के नाम पर सर्वे के दौरान मुहर लगाई गई है, उन्हें बहुत जल्द बेलगाड़ियां में सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ बसाया जाएगा। अग्नि प्रभावित क्षेत्र में लंबे समय से रहने वाले लोगों के लिए यह सर्वे काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जमीन के नीचे आग और उससे जुड़ी समस्याओं के कारण प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले परिवारों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बीसीसीएल की ओर से किया गया सर्वे लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। सर्वे के दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण किया और लोगों से आवश्यक जानकारी भी ली।स्थानीय लोगों के अनुसार, सर्वे के दौरान जिन लोगों के

नाम पर मुहर लगाई गई है, उनमें दिलीप पाण्डेय, पंकज पाण्डेय, पवन पाण्डेय, धंबेरद्र पाण्डेय, सुमन पाण्डेय, सुबध पाण्डेय, मनोज सिंह, प्रिंस सिंह, सुधांशु पाण्डेय, प्रदीप पाण्डेय , प्रमिला देवी और भी कई लोगों के नाम शामिल हैं। नाम पर मुहर लगने के बाद संबंधित लोगों में इस बात को लेकर उम्मीद बढ़ी है कि अब उनके पुनर्वास की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।पुनर्वास की उम्मीद से लोगों में खुशीपाण्डेय मोहल्ला के अग्नि प्रभावित परिवारों के लिए पुनर्वास का मुद्दा लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है। आग प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सुरक्षा और बेहतर भविष्य को लेकर समय-समय पर पुनर्वास की मांग उठती रही है। ऐसे में सर्वे के बाद लोगों को उम्मीद है कि अब उन्हें सुरक्षित स्थान पर बेहतर सुविधाओं के साथ रहने का अवसर मिलेगा।बताया जा रहा है कि जिन लोगों के नाम पर सर्वे के दौरान मुहर लगाई गई है, उन्हें बहुत जल्द बेलगाड़ियां में सुविधाओं के साथ बसाने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, पुनर्वास की अंतिम प्रक्रिया, स्थानांतरण की तिथि और उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं से संबंधित आधिकारिक जानकारी संबंधित विभाग द्वारा जारी किए जाने के बाद ही पूरी तरह स्पष्ट होगी।स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल मकान उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि पुनर्वास स्थल पर बिजली, पानी, सड़क, नाली, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन और अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। प्रभावित परिवार चाहते हैं कि उन्हें ऐसी जगह बसाया जाए जहां उनके बच्चों की पढ़ाई, परिवार की आजीविका और रोजमर्रा की जरूरतें आसानी से पूरी हो सकें।सभी सुविधाओं की मांगअग्नि प्रभावित क्षेत्र से पुनर्वासित किए जाने वाले परिवारों के लिए मूलभूत सुविधाओं को लेकर भी स्थानीय लोगों में चर्चा है। लोगों का कहना है कि बेलगाड़ियां में यदि उन्हें बसाया जाता है तो वहां पर्याप्त बिजली, पेयजल, पक्की सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, स्वास्थ्य सुविधा और बच्चों की शिक्षा जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए।इसके साथ ही प्रभावित परिवारों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए रोजगार और आवागमन की सुविधा भी महत्वपूर्ण होगी। कई परिवार वर्षों से इसी क्षेत्र में रहकर अपनी रोजी-रोटी चला रहे हैं। ऐसे में नए स्थान पर पुनर्वास के दौरान उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित न हो, इसके लिए संबंधित विभाग को विशेष ध्यान देने की जरूरत है।स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि सर्वे के बाद बीसीसीएल और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के बीच आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी और पात्र परिवारों को जल्द ही आगे की जानकारी दी जाएगी। लोगों का कहना है कि यदि उन्हें सुरक्षित स्थान पर उचित सुविधाओं के साथ बसाया जाता है तो यह उनके लिए बड़ी राहत होगी।सर्वे के बाद आगे की कार्रवाई पर नजरगोधर 15 नंबर पाण्डेय मोहल्ला में हुए सर्वे के बाद अब लोगों की नजर आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी हुई है। जिन लोगों के नाम पर मुहर लगाई गई है, वे पुनर्वास की प्रक्रिया को लेकर जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में संबंधित अधिकारियों द्वारा पुनर्वास से जुड़ी आवश्यक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।प्रभावित परिवारों का कहना है कि वर्षों से अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रहने के कारण उन्हें भय और असुरक्षा के माहौल में जीवन बिताना पड़ता है। ऐसे में यदि पुनर्वास की प्रक्रिया जल्द पूरी होती है और उन्हें बेलगाड़ियां में सभी जरूरी सुविधाओं के साथ सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराया जाता है, तो यह उनके लिए राहत की बड़ी खबर होगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि सर्वे में शामिल नामों की जांच और आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद पात्र परिवारों को जल्द पुनर्वास की सुविधा दी जाएगी। साथ ही लोगों की मांग है कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी हो और किसी भी पात्र प्रभावित परिवार का नाम छूटने न पाए।

गिरिडीह ।सोमवार को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह स्थित दिवंगत मंत्री स्व. सुदिव्य कुमार सोनू जी के आवास पहुँचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति दें ।

संक्षिप्त समाचार

साहिबगंज में बढ़ रहा बाढ़ का खतरा! तीन पंचायतों में बिजली आपूर्ति ठप, लोगों के घरों में घुसा पानी

साहिबगंज, एजेंसी। गंगा नदी का जलस्तर लगातार तेजी से बढ़ रहा है। दियारा क्षेत्र में बाढ़ का असर पूरी तरह से दिखने लगा है, जिससे हजारों लोग पलायन करने को मजबूर हैं। ग्रामीण इलाकों में कई घर बाढ़ के पानी में डूब गए। वहीं, दियारा क्षेत्र में बाढ़ के पानी में सड़क डूबने से संपर्क टूटने लगा है। इस बीच बिजली विभाग ने सुरक्षा के मद्देनजर सदर प्रखंड के तीन पंचायतों में बिजली आपूर्ति बंद कर दी है। जेई नील गगन ने बताया कि बाढ़ का पानी ट्रांसफार्मर तक पहुंच चुका है, जिसके चलते किसन पंचायत, लालबथानी उत्तर व लालबथानी दक्षिण पंचायत में बिजली सेवा बंद कर दी गई है। बाढ़ का पानी घटने तक बिजली बाधित रहेगी।सोमवार की सुबह 28।32 मीटर तक जलस्तर मापा गया। केंद्रीय जल आयोग के पूर्वानुमान के अनुसार मंगलवार की सुबह तक 28।58 मीटर तक पहुंचने की संभावना है। पिछले साल 2025 में गंगा नदी का अधिकतम जलस्तर 28।70 मीटर पहुंचा था। बक्सर से लेकर फरक्का तक जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। कुछ स्थानों पर जलस्तर में बढ़ोतरी है तो कहीं पानी घटने का संकेत है।बाढ़ का पानी अब शहरी क्षेत्र में भी घुसने लगा है। सबसे अधिक प्रभावित भरतिया कॉलोनी के लोग हुए हैं। बाढ़ में हर साल यह कॉलोनी डूब जाता है। बाढ़ के खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा बनाए गए रैन बसेरा पर लोग पहुंचने लगे हैं। वहीं, पशुपालक भी अपने मवेशी को लेकर शकुंतला सहाय घाट और मालगोदाम पहुंच रहे हैं।इस बीच, जिला प्रशासन ने कारगिल दियारा समेत बाढ़ से प्रभावित इलाकों का दौरा किया और लोगों के बीच राहत सामग्री बांटी। वहीं, सदर एसडीओ अमर जॉन आइंद ने बताया कि लगातार बचाव अभियान चलाया जा रहा है। बाढ़ से प्रभावित लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की अपील की जा रही है।

रिम्स में इलाज के दौरान मरीज की मौत के बाद जूनियर डाक्टरों से मारपीट, चिकित्सकों ने किया कार्य बहिष्कार

रांची, एजेंसी। रिम्स के सर्जरी वार्ड सी-2 में इलाजरत एक मरीज की मौत के बाद मृतक के परिजनों और जूनियर डॉक्टरों के बीच मारपीट हो गई। घटना के बाद रिम्स के पीजी डॉक्टरों ने वर्तमान स्थिति में मरीज देखने से इनकार कर दिया है।रिम्स जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ। जितेंद्र कुमार ने बताया कि आए दिन डॉक्टरों के साथ मारपीट की घटना हो रही है। हमारी सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में हम कैसे मरीजों का इलाज कर पाएंगे। इसी वजह से जूनियर डॉक्टरों ने मरीज देखने से इनकार कर दिया है।अभी पूरे रिम्स में मरीजों का इलाज सीनियर और रेजिडेंट डॉक्टर कर रहे हैं। डॉ। जितेंद्र ने कहा कि जिस मरीज की मौत इलाज के दौरान हुई, उसकी स्थिति पहले से क्रिटिकल थी। हमारी इलाज में कोई कमी या लापरवाही नहीं थी। बावजूद इसके बड़ी संख्या में मृतक के परिजन और उनके साथ आए लोगों ने डॉक्टरों के साथ मारपीट की। सबसे चिंता की बात यह रही कि इस दौरान रिम्स प्रबंधन की ओर से तैनात सुरक्षाकर्मियों की ओर से डॉक्टरों को बचाने की कोई पहल नहीं हुई। ऐसे में हम कैसे काम कर पाएंगे, यह बड़ा सवाल है।रिम्स सर्जरी विभाग के सह विभागाध्यक्ष डॉ। निशीथ ने बताया कि मृतक पैंक्रियाटाइटिस से पीड़ित था। उसके इलाज में कोई कमी नहीं थी। बावजूद इसके हमारे डॉक्टरों के साथ मारपीट की गई है। उन्होंने कहा कि पास के ही बस्ती के सभी लोग थे। उन पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

झारखंड का सीडी रेशियो सुधरा, फिर भी विकसित राज्यों से काफी पीछे, बैंकिंग सेक्टर राज्य के विकास की रीढ़

रांची, एजेंसी। किसी भी राज्य के विकास में बैंकिंग सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके माध्यम से जहां राज्य की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है, वहीं विकास के रास्ते भी खुलते हैं। इस बैंकिंग कारोबार में सीडी रेशियो का खास महत्व है। सीडी रेशियो यानी क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात वह वित्तीय तराजू है, जो बताता है कि बैंक ने अपने पास जमा कुल राशि का कितना हिस्सा कर्ज के रूप में दिया है। इसका आकलन सीडी रेशियो = (कुल ऋण / कुल जमा राशि) म 100 के सूत्र से किया जाता है। उच्च सीडी रेशियो का अर्थ है कि बैंक ज्यादा लोन दे रहा है। इससे बाजार में कर्ज की मांग का अंदाजा लगता है। कम सीडी रेशियो का मतलब है कि बैंक कर्ज देने में सावधानी बरत रहा है या बाजार में लोन की मांग कम है। कम अनुपात यह भी संकेत देता है कि बैंक अपने संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं कर रहे हैं।झारखंड का सीडी रेशियो देश के विकसित राज्यों से हमेशा कम रहा है। बिहार से अलग होकर स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में आए झारखंड को अपने सीडी रेशियो को लेकर हमेशा जूझना पड़ा है। बैंकों में एक तरफ राज्य की जनता की भारी-भरकम राशि जमा है, वहीं दूसरी ओर इस अनुपात में बैंक लोन देने में पिछड़ रहे हैं। बैंक सरकारी नियमों का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से बचते हैं, वहीं लोग लोन लेने के लिए दर-दर भटकते रहते हैं।विगत वर्षों में ऋण देने में बैंकों ने रुचि दिखाई है, जिस वजह से सीडी रेशियो बढ़ा है। इसके बावजूद देश के विकसित राज्यों से यह काफी नीचे है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के आंकड़ों के अनुसार, जून 2021 से जून 2026 के बीच बैंकों में कुल जमा 2।61 लाख करोड़ से बढ़कर 4।05 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वहीं कुल वितरित ऋण 96,642 करोड़ से बढ़कर 2।23 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। इस तरह राज्य का सीडी रेशियो 37।04 प्रतिशत से सुधरकर जून 2026 तक 54।97 प्रतिशत पर पहुंच गया है। फिर भी सीडी रेशियो के मामले में झारखंड अन्य राज्यों से काफी पीछे है।

सुवर्णरेखा की रेत में सोना तलाशती जिंदगी,

चंद कणों से जलता है गरीब परिवारों का चूल्हा

चांडिल, एजेंसी। सुबह की पहली रोशनी सुवर्णरेखा नदी की धार पर पड़ती है। पानी की सतह पर सूरज की किरणें चमकती हैं। इसी चमक के बीच नदी किनारे कुछ लोग कुदाल, खुरपी और लकड़ी की बनी फॉली थाली लेकर पहुंच चुके होते हैं। उनके लिए नदी का किनारा घूमने या प्रकृति का आनंद लेने की जगह नहीं, बल्कि रोजी-रोटी का ठिकाना है। कुदाल से नदी किनारे की मिट्टी और बालू खोदी जाती है। उसे थाली में भरकर पानी में धीरे-धीरे घुमाया जाता है। हल्की मिट्टी और बालू पानी के साथ बह जाती है, जबकि थाली के तल में कुछ भारी कण बचते हैं। नजरें उन्हीं कणों पर टिक जाती हैं। उम्मीद होती है कि उनमें सोने की चमक दिखाई देगी। कई बार घंटों की मेहनत के बाद सिर्फ मुट्ठी भर बारीक कण हाथ लगते हैं। इन्हीं कणों को चांडिल बाजार में बेचकर परिवार राशन और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करते हैं।

ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में सुवर्णरेखा नदी से सोने के कण तलाशने की यह तस्वीर वर्षों पुरानी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, कई परिवार पीढ़ियों से इस काम से जुड़े हैं। एक ग्रामीण बताते हैं कि उनके परिवार को करीब 60 साल से सुवर्णरेखा की रेत में सोना तलाशते हुए हो गये। उनके पिता और उससे पहले परिवार के लोग भी यही काम करते थे। आज भी अगली पीढ़ी के सामने यही काम रोजगार का एक विकल्प बना हुआ है। सुबह घर से निकलने के बाद कोशिश रहती है कि शाम तक इतनी कमाई हो जाए कि घर का चूल्हा जल सके। लेकिन यहां मेहनत की कोई गारंटी नहीं है।

कभी 200 रुपये मिलते हैं, तो कभी 300 से 400 रुपये। सोना थोड़ा अधिक मिल गया तो 500

रुपये तक कमाई हो जाती है। वहीं कई दिन ऐसे भी गुजरते हैं, जब घंटों नदी की मिट्टी और बालू धोने के बाद उम्मीद से बहुत कम सोना हाथ लगता है। सोना निकालने की प्रक्रिया देखने में भले ही आसान लगे, लेकिन इसके लिए घंटों मेहनत करनी पड़ती है। नदी किनारे बैठकर लगातार मिट्टी और बालू धोना, कुदाल चलाना और एक ही प्रक्रिया को बार-बार दोहराना शरीर को थका देता है।

गर्मी में रेत तपती है, बरसात में नदी का जलस्तर और तेज धार परेशानी बढ़ा देती है। सर्दियों में ठंडे पानी में हाथ डालकर काम करना भी आसान नहीं होता। इसके बावजूद अगले दिन ये परिवार फिर नदी किनारे पहुंच जाते हैं, क्योंकि उनके पास रोजगार का कोई स्थायी विकल्प नहीं है। सुवर्णरेखा के अलावा बामनी नदी और आसपास के दूसरे नदी क्षेत्रों में भी कुछ परिवार सोने के कण तलाशते हैं। जहां संभावना दिखाई देती है, वहीं मिट्टी और बालू को धोने का काम शुरू हो जाता है। किस जगह सोना मिलेगा, इसकी कोई निश्चितता नहीं होती। कई बार एक जगह कई दिनों तक मेहनत के बाद भी कुछ हासिल नहीं होता, तो कभी अचानक थाली में सोने के बारीक कण चमक उठते हैं। उस पल चेहरे पर आने वाली खुशी शायद उस सोने की कीमत से कहीं बड़ी होती है।इस संघर्ष में सिर्फ पुरुष ही शामिल नहीं हैं। परिवार की महिलाएं भी नदी किनारे मिट्टी और बालू धोने में बराबर हाथ बंटाती हैं। कई महिलाएं घर का काम निपटाने के बाद नदी पहुंचती हैं। कुछ अपने साथ बच्चों के लिए खाना भी लेकर आती हैं और दिन का बड़ा हिस्सा नदी किनारे ही गुजरता है।

इन परिवारों की जिंदगी में आराम के लिए ज्यादा जगह नहीं है। कमाई छोटी है, लेकिन जरूरतें बड़ी हैं। बच्चों की पढ़ाई, घर का राशन, कपड़े और रोजमर्रा का खर्च इसी अनिश्चित आमदनी से पूरा करना होता है। ऐसे में नदी की रेत में मिलने वाला हर छोटा सोने का कण उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है।

दिनभर की मेहनत के बाद निकाले गये सोने के कणों को चांडिल बाजार में बेचा जाता है। नदी से निकला सोना सीधे परिवार की जरूरतों में बदल जाता है। इसे बचाकर रखने की स्थिति नहीं होती। जितना मिलता है, उतना ही तत्काल जरूरतों को पूरा करने में लग जाता है। यही इस कहानी की सबसे बड़ी विडंबना है। जिस नदी के नाम में 'सोना' है, उसी नदी के किनारे रहने वाले लोगों की आर्थिक तंगी खत्म नहीं हुई। उनके हाथों से निकलने वाला सोना बाजार में कीमत पाता है, लेकिन उसे निकालने वाले परिवारों की जिंदगी में समृद्धि नहीं आती।

रांची में जमीन का सौदा पड़ा भारी, 17 लाख लेने के बाद रजिस्ट्री से मुकरने का आरोप, एफआईआर दर्ज

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र में जमीन बिक्री के नाम पर 17 लाख रुपये की ठगी और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में रामपुर बाजार गढ़के, राजाउलातू निवासी अशोक मुंडा ने विनोद कुमार के खिलाफ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है।

प्राथमिकी के अनुसार, विनोद कुमार ने अपने भाई की तबीयत खराब होने का हवाला देकर अशोक मुंडा से आर्थिक मदद मांगी थी। इसके एवज में उसने मौजा तिरिल में 10 कट्ठा जमीन का एकरारनामा किया। अशोक मुंडा ने आरोपी को 15 लाख रुपये नकद और दो लाख रुपये चेक के माध्यम से कुल 17 लाख रुपये दिये। इसके बाद आरोपी ने बाउंड्री वॉल निर्माण पर करीब 12 लाख रुपये खर्च कराये।

कुछ समय बाद आरोपी ने बताया कि पांच कट्ठा जमीन पहले ही बिक चुकी है। इसके बाद शेष पांच कट्ठा जमीन आवेदक की मां फूलो देवी के नाम से परमिशन करायी गयी। इसका आदेश 26 जुलाई 2025 को हुआ था।

आवेदक का आरोप है कि परमिशन मिलने

के बाद भी विनोद कुमार जमीन की रजिस्ट्री करने में आनाकानी कर रहा है। आरोप के अनुसार, हाल में उसने दो लाख रुपये नकद, एक लाख रुपये नकद और फोन-पे के माध्यम से 45 हजार रुपये भी लिये, लेकिन अब रजिस्ट्री करने से इनकार कर रहा है।

आवेदक ने पुलिस को बताया है कि आरोपी फोन रिसीव नहीं करता है। संपर्क करने पर जान से मारने की धमकी देने और असामाजिक तत्वों से हमला कराने की बात कहने का भी आरोप लगाया गया है। एकरारनामा के अनुसार जमीन नहीं देने की स्थिति में 17 लाख रुपये के बदले एक करोड़ 70 लाख रुपये लौटाने की बात कही गयी थी, लेकिन आरोपी इस राशि को लौटाने से भी इनकार कर रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजली के तार की चपेट में आने से जंगली हाथी की मौत, कई हाथियों के घायल होने की सूचना

लातेहार, एजेंसी। जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र के कोमर गांव में रविवार देर रात एक जंगली हाथी की मौत हो गयी। बताया जाता है कि हाथी बिजली की तार के चपेट में आ गया था, जिससे उसकी मौत हुई है। इस दौरान कुछ अन्य हाथियों को भी करंट से घायल होने की सूचना है। फिलहाल घटना की जानकारी मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दरअसल लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत कोमर गांव के आसपास जंगली हाथियों का आतंक इन दिनों चरम पर था। जंगली हाथियों का झुंड रात होते ही गांव में घुस कर लोगों के घर और फसल को बर्बाद कर रहा था। बीती रात भी हाथियों का झुंड गांव में घुस गया था। इसी दौरान एक घर के बाहर लगे बिजली के तार की चपेट में हाथियों का झुंड आ गया। इस घटना में एक हाथी की मौत हो गई। ग्रामीण बताते हैं कि रात में कई हाथियों के चिंघाड़ने की आवाज आ रही थी। जिससे संभावना जताई जा रही है की करंट की चपेट में कुछ अन्य हाथी भी आकर घायल हुए होंगे। हालांकि इसकी आधिकारिक सूचना नहीं है।

इधर वन विभाग का ट्रैकर पप्पू महतो ने बताया कि बीती रात लगभग 15 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड गांव की तरफ आया था। 2 बजे रात तक उन लोगों की नजर हाथियों

पर थी और हाथियों को गांव से भगा दिया गया था। लेकिन अचानक फिर हाथियों का झुंड गांव की ओर आया और एक ग्रामीण के मकई के खेत की ओर गया। यहां पहले से बिजली का तार लगाया हुआ था। बिजली के तार की चपेट में आने से एक हाथी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

पप्पू महतो ने कहा कि यदि हाथी को भगाने के लिए वे लोग भी वहां आते तो बिजली की चपेट में आने से उनके साथ भी कुछ हो सकता था। वहीं वन समिति के अध्यक्ष सुनील उरांव ने कहा कि मना करने के बावजूद इस प्रकार खेत में बिजली का खतरनाक तार लगाने के कारण ही उक्त घटना घटी है।

इस संबंध में फॉरेस्ट रेंज पदाधिकारी नंद कुमार मेहता ने कहा कि मामले की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा कि मृतक हाथी के पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल टीम भी गठित की जा रही है। पोस्टमार्टम होने और रिपोर्ट आने के बाद ही हाथी की मौत का स्पष्ट कारण सामने आएगा।

वहीं इस संबंध में लातेहार डीएफओ प्रवेश अग्रवाल में बताया कि घटना की जानकारी मिली है। वन विभाग की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

बहरागोड़ा और मानुषमुड़िया में बन रहा 22 करोड़ से सिल्वर फॉरेस्ट पार्क

बहरागोड़ा, एजेंसी। बहरागोड़ा एवं मानुषमुड़िया क्षेत्र के लोगों को जल्द ही मनोरंजन और घूमने-फिरने के लिए आधुनिक पार्क की सौगात मिलने वाली है। दोनों स्थानों पर लगभग 22 करोड़ों रुपये की लागत से सिल्वर फॉरेस्ट पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। पार्क का निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। सब कुछ ठीक रहा तो आगामी चार से पांच माह के भीतर दोनों पार्क आम लोगों के लिए खोल दिये जाने की उम्मीद है।

पार्क के तैयार होने के बाद क्षेत्र के बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को मनोरंजन के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होगा।दोनों पार्कों को सभी आयु वर्ग के लोगों को ध्यान में रखकर विकसित किया जा रहा है। बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरण लगाए जा रहे हैं।वहीं, बुजुर्गों और अन्य लोगों के लिए भी बैठने, टहलने और समय बिताने की सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है।

सिल्वर फॉरेस्ट पार्क के परिसर को आकर्षक बनाने के लिए एक से बढ़कर एक फूलों वाले पौधों के साथ सदाबहार पौधे लगाये गये हैं। पार्क में हरियाली विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।फूलों और पौधों के कारण पार्क के तैयार होने के बाद इसका परिसर काफी आकर्षक नजर आने की उम्मीद है। लोगों को प्राकृतिक वातावरण में कुछ समय बिताने का अवसर भी मिलेगा।

फिलहाल दोनों स्थानों पर निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगायी गयी है। पार्क में निर्माण कार्य पूरी तरह समाप्त होने तथा सभी आवश्यक सुविधाएं तैयार होने के बाद ही लोगों के लिए प्रवेश की अनुमति मिलने की उम्मीद है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों पार्कों के शुरू होने से क्षेत्र में मनोरंजन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होगी। खासकर बच्चों के लिए यह पार्क आकर्षण का केंद्र बनेगा। साथ ही परिवार के लोग भी यहां आकर अपना समय बिता सकेंगे। पार्क के शुरू होने से बहरागोड़ा एवं मानुषमुड़िया क्षेत्र में सार्वजनिक मनोरंजन के लिए एक नया स्थान विकसित होगा।

नरेंद्र मोदी के सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 17 सितंबर से चलेगा भाजपा का सेवा संकल्प अभियान

खूंटी, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान को लेकर शनिवार को जिला भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष आनंद कुमार की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में अभियान की रूपरेखा और कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गयी।

मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा जयंती के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयंती भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत स्वच्छता अभियान, सार्वजनिक स्थलों की सफाई, सुदूरवर्ती क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर समेत विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किये जायेंगे।

प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि अभियान को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म उत्सव के रूप में सेवा भाव के साथ मनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अभियान को सफल बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। बताया गया कि सात से नौ सितंबर तक मंडल स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन के लिए दावा-आपत्ति की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

धनबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार धनबाद जिले के सभी नागरिकों के लिए मतदाता सूची के पुनरीक्षण के तहत दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 है। इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने और मताधिकार सुनिश्चित करने के लिए सभी योग्य नागरिक निर्धारित प्रपत्रों के माध्यम से समय सीमा के भीतर आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नया नाम जुड़वाने के लिए प्रपत्र 06, मतदाता सूची से नाम कटवाने अथवा विलोपन के लिए प्रपत्र 07 तथा मतदाता पहचान पत्र में किसी भी प्रकार के सुधार, पता स्थानांतरण (शिफ्टिंग), अथवा कार्ड गुम/खराब हो जाने की स्थिति में नया कार्ड प्राप्त करने के लिए।प्रपत्र 08 भर कर संबंधित बीएलओ को समर्पित करें।वहीं ऑनलाइन सुविधा के लिए आयोग के आधिकारिक पोर्टल voters.eci.gov.in पर भी प्रपत्र समर्पित कर सकते हैं। मतदाता, मोबाइल के जरिए आवेदन के लिए श्वष्टढ्ढ ह्लश्चञ्ज मोबाइल ऐप डाउनलोड कर सेवा का लाभ उठा सकते हैं।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की है कि 15 सितंबर 2026 से पूर्व मतदाता सूची में अपना व अपने परिवार के सदस्यों का नाम सुनिश्चित करें।

गोल्फ ग्राउंड में आर्यन केल्विन की फैन मीट में हंगामा, पत्थरबाजी के बाद मची अफरातफरी; कुर्सियां टूटीं

धनबाद, एजेंसी। सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर आर्यन केल्विन की ओर से रविवार को गोल्फ ग्राउंड में आयोजित फैन मीट के दौरान अचानक हंगामा हो गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक पहुंचे थे। इसी दौरान भीड़ में शामिल कुछ युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला हंगामे में बदल गया और कुछ युवकों द्वारा पत्थरबाजी किये जाने की बात सामने आयी।

पत्थरबाजी के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरातफरी मच गयी और लोग इधर-उधर भागने लगे। हंगामे के दौरान गोल्फ ग्राउंड में लगी कुछ कुर्सियां भी टूट गयीं। बताया जाता है कि फैन मीट में शामिल होने के लिए शाम से ही बड़ी संख्या में युवा गोल्फ ग्राउंड पहुंचने लगे थे। शाम करीब पांच बजे धनबाद थाना प्रभारी मनोज कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ गोल्फ ग्राउंड पहुंचे। उन्होंने मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर घोषित राजकीय शोक का हवाला देते हुए डीजे और लाउडस्पीकर बंद करा दिया।

इसके बाद कार्यक्रम को सादे तरीके से आयोजित करने की अनुमति दी गयी।इसी दौरान गोल्फ ग्राउंड में बाइक से स्टंट कर रहे एक युवक को थाना प्रभारी ने बाइक समेत पकड़ लिया और उसे धनबाद थाना ले गये। बाद में बॉन्ड भरवाकर युवक को छोड़ दिया गया।कार्यक्रम के दौरान हुए हंगामे के बीच आर्यन केल्विन के बॉडीगार्ड और कुछ युवकों के बीच मारपीट होने की भी चर्चा रही।

आर्यन केल्विन के कार्यक्रम में बवाल, जमकर हुई तोड़फोड़ और मारपीट

धनबाद, एजेंसी। गोल्फ ग्राउंड में यूट्यूबर और ब्लॉगर केल्विन आर्यन के पब्लिक मीट कार्यक्रम के दौरान जमकर हंगामा हुआ। देखते ही देखते भीड़ बेकाबू हो गई और मारपीट के साथ तोड़फोड़ शुरू हो गई। बड़ी संख्या में लोग स्टेज की ओर बढ़ गए और पंडाल को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक हुए हंगामे से कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई।

घटना में कई लोगों के घायल होने की भी सूचना है। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को भीड़ नियंत्रित करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने हस्तक्षेप कर कार्यक्रम को बंद करा दिया।

दरअसल, केल्विन आर्यन की ओर से गोल्फ ग्राउंड में पब्लिक मीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम के लिए बड़े स्तर पर तैयारी की गई थी। स्टेज के साथ डीजे और साउंड सिस्टम की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में झारखंड के अलग-अलग इलाकों के अलावा दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इसी बीच मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन के बाद राज्य में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की गई। इसके बाद प्रशासन और पुलिस की टीम कार्यक्रम स्थल पर

पहुंची और आयोजकों को डीजे तथा तेज आवाज वाले साउंड सिस्टम का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया। प्रशासन की ओर से कार्यक्रम को सादगी से आयोजित करने को कहा गया। हालांकि, कार्यक्रम शुरू होने के बाद धीरे-धीरे भीड़ बढ़ती गई। कुछ देर बाद स्थिति अचानक बिगड़ गई और लोग हंगामा करने लगे।

देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। भीड़ स्टेज तक पहुंच गई और पंडाल में भी तोड़फोड़ की गई। इससे पूरे कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ जैसे हालात बन गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को मौके पर हस्तक्षेप करना पड़ा। काफी प्रयास के बाद भी जब हालात सामान्य नहीं हुए तो पुलिस ने कार्यक्रम को बंद करा दिया।

घटना को लेकर एसडीएम लोकेश बारंगे ने कहा कि पूरे मामले की पुलिस स्तर से जांच-पड़ताल की जा रही है। हंगामा और तोड़फोड़ में शामिल लोगों को चिन्हित किया जाएगा। जांच के बाद जो भी लोग दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम लोकेश बारंगे ने बताया कि कार्यक्रम में डीजे और लाउडस्पीकर बजाए जाने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस की टीम शाम के समय कार्यक्रम स्थल पर पहुंची और डीजे व लाउडस्पीकर को बंद करा दिया था। इसके बावजूद रात में कार्यक्रम के दौरान मारपीट और हंगामे की घटना सामने आई। मामले की जांच पुलिस स्तर से की जा रही है। घटना में शामिल लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। राजकीय शोक के दौरान कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने जब सादगी बरतने का निर्देश दिया था, तो क्या आयोजकों ने उसके अनुरूप पर्याप्त तैयारी की थी? इतनी बड़ी भीड़ जुटने की संभावना के बावजूद सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किए गए? भीड़ के अनुपात में पुलिस बल की तैनाती पर्याप्त थी या नहीं? और सबसे बड़ा सवाल- अगर प्रशासन को पहले से भारी भीड़ की आशंका थी, तो सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ठोस तैयारी क्यों नहीं की गई?

संक्षिप्त समाचार

नदी में समाया गिट्टी लदा हाइवा, पुल टूटने से 85 गांवों का संपर्क टूटा

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के पूर्णिया में अमौर प्रखंड के डगरा घाट पुल को पार करने के दौरान गिट्टी से लदा एक हाइवा ट्रक परमान नदी में गिर गया। दरअसल पुल पर भारी गाड़ियों के आने-जाने पर रोक होने के बावजूद हाइवा ट्रक लोहे के इस पुराने और जर्जर पुल को पार करने की कोशिश कर रहा था। तभी पुल अचानक नदी के बीच में ढह गया। वहीं नदी में पानी का स्तर ज्यादा होने के कारण ट्रक पूरी तरह डूब गया। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि ड्राइवर और हेल्पर ट्रक से बाहर निकलने और सुरक्षित भागने में कामयाब रहे। घटना की खबर मिलने पर अमौर प्रखंड के बीडीओ, अंचल अधिकारी और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे।पुल के ढहने से 80-85 गांवों का संपर्क टूट गया है।स्थानीय निवासी मो. फारूक आलम ने बताया कि सामान से लदा ट्रक पुल पार कर रहा था, तभी पुल ढह गया और ट्रक नदी में गिर गया। वह अभी भी पानी के नीचे डूबा हुआ है। ड्राइवर के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है। उन्होंने बताया कि कुछ लोग कह रहे हैं कि पुल ढहने के बाद ड्राइवर नदी में कूद गया और तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आया, लेकिन किसी ने उसे असल में बाहर निकलते नहीं देखा। बताया जा रहा है कि ट्रक खतहाट से अशानी गांव की ओर जा रहा था, डगरा घाट पुल इलाके के लगभग 80-85 गांवों के निवासियों के लिए परिवहन का एक महत्वपूर्ण जरिया है, इसके ढहने से स्थानीय लोगों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ेगा। खासकर मेडिकल इमरजेंसी के दौरान मरीजों को ले जाने में काफी दिक्कत सामने आ सकती है। अचानक हुए हादसे से इलाके में हड़कंप मच गया है। गांव वालों ने प्रशासन से अपील की है कि या तो पुल की तुरंत मरम्मत की जाए या आने-जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। इस संपर्क पुल के टूटने से स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्रों को भी बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। प्रशासन स्थानीय स्तर पर स्थिति को सामान्य करने के लिए हरकत में आ गया है।

पहले मां-बेटी को गोली मारी, फिर महिला की उंगली काट दी

शिवहर, एजेंसी। बिहार के शिवहर में दरिंदों ने मां-बेटी की जान लेने की कोशिश की है। देर रात मां और उसकी मासूम बेटी के जिस्म को गोलियों से छलनी कर दिया। बर्बरता इस कदर हावी थी कि गोली मारने के बाद भी दरिंदों का दिल नहीं भरा और उन्होंने महिला की उंगलियां तक बेरहमी से काट डालीं। गांव वालों की मानें तो जिस वक्त यह वारदात हुई, घर में और कोई पुरुष मौजूद नहीं था। घटना श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के लालगढ़ योगिया गांव की है। गंभीर रूप से जख्मी 55 वर्षीय मां और उनकी 16 वर्षीय बेटी को प्राथमिक उपचार के बाद स्थानीय अस्पताल से इलाज के लिए मुजफ्फरपुर रेफर किया गया है, जहां वे जिंदगी और मौत के बीच झूल रही हैं। दर्द और खौफ से कराहती मां उंगलियां कटने के बाद बेहोशी की हालत में चली गईं हैं। मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल तथा डीआईयू की टीम को भी मौके पर बुलाया। पीड़िता की ओर से दिए गए बयान के आधार पर श्यामपुर भटहां थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच के दौरान घटना में छह नामजद तथा पांच-छह अज्ञात व्यक्तियों के शामिल होने की बात सामने आई। गिरफ्तार आरोपियों में प्रिंस कुमार, सुधीर सिंह, पप्पू सिंह और अविनाश सिंह उर्फ टकला शामिल है। सभी आरोपी श्यामपुर भटहां थाना क्षेत्र के लालगढ़ जोगिया के निवासी बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की हर बिंदु पर गहनता से जांच की जा रही है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है और जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, शिवहर एसपी शैलेन्द्र सिंह के निर्देश पर श्यामपुर भटहां थाना अध्यक्ष सुनील कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस बल के साथ छापेमारी की और देर रात ही चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि वारदात के हर पहलू का खुलासा हो सके।

आपत्तिजनक स्थिति और यौन संबंध दो अलग बातें', वैवाहिक विवाद पर पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पटना, एजेंसी। शनिवार को पटना हाईकोर्ट ने वैवाहिक विवाद से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में अपना निर्णय देते हुए कहा है कि पत्नी के किसी अन्य पुरुष के साथ केवल आपत्तिजनक स्थिति में पाए जाने का आरोप अपने आप में व्यभिचार (एडल्ट्री) साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। व्यभिचार के आरोप को स्पष्ट और ठोस साक्ष्यों से साबित करना होगा। महज संभावना या पति के एकतरफा बयान के आधार पर पत्नी के खिलाफ व्यभिचार की पुष्टि नहीं की जा सकती। जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस राणा विक्रम सिंह की खंडपीठ ने यह निर्णय संजय कुमार की ओर से दायर अपील पर दोनों पक्षों को सुनने के बाद दिया। कोर्ट ने पति द्वारा दायर तलाक की अपील को खारिज करते हुए मधुबनी फैमिली कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखा, जिसमें तलाक की याचिका खारिज कर दी गई थी। मामले के अनुसार, पति-पत्नी की शादी 2 जुलाई, 2006 को हुई थी और वर्ष 2010 में उनके एक पुत्र का जन्म हुआ। पति ने आरोप लगाया था कि बच्चे के जन्म के बाद पत्नी ने उसके साथ क्रूरता की तथा अपनी बड़ी बहन के पति के साथ अवैध संबंध बनाए पति का दावा था कि उसने दोनों को एक बार आपत्तिजनक स्थिति में देखा था। इसके बाद 30 मार्च 2013 को पत्नी के पिता कुछ लोगों के साथ उसे उसके ससुराल से ले गए और तब से वह अलग रह रही है। इसी आधार पर पति ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1) और 13(1) के तहत तलाक की मांग की थी। पत्नी ने इन आरोपों को पूरी तरह झूठा और मनगढ़ंत बताया था। उसका कहना था कि पति द्वारा अपने ही जीजा के साथ अवैध संबंध का आरोप लगाना स्वयं मानसिक क्रूरता है। उसने यह भी आरोप लगाया कि पति ने उसे जहर देकर मारने का प्रयास भी किया था।हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि आपत्तिजनक स्थिति में होना और यौन संबंध बनाना दो अलग बातें हैं। कोर्ट ने यह भी गौर किया कि कथित घटना के बाद पति ने न तो पुलिस में कोई शिकायत की, न सनहा दर्ज कराया और न ही अपने ससुराल पक्ष अथवा अन्य रिश्तेदारों को इस संबंध में सामने लाया।

घास काटने गई थी, रोते हुए घर पहुंची पुलिस ने तीन को किया गिरफ्तार

सहरसा, एजेंसी। बिहार के सहरसा के सदर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक 10 साल की एक नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। परिजनों के अनुसार बच्ची घर के पीछे घास काटने गई थी, तभी गांव के एक नाबालिग किशोर ने उसे खेत की ओर ले जाकर घटना को अंजाम दिया। दो अन्य नाबालिगों के भी मौके पर मौजूद होने का आरोप है।

घटना के बाद बच्ची घायल हालत में रोते हुए घर पहुंची। उसकी हालत देखकर परिजनों ने पूछताछ की तो पूरे मामले का पता चला। पिता, जो सब्जी बेचने का काम करते हैं, घर पहुंचने के बाद उन्होंने तुरंत बच्ची को करीब दो बजे सदर अस्पताल में भर्ती कराया।

सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद शाम करीब छह बजे बेहतर इलाज के लिए बच्ची को मधेपुरा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। महिला चिकित्सक उपलब्ध नहीं होने के कारण रेफर प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे एंबुलेंस से मधेपुरा भेजा गया।

बच्ची के अस्पताल पहुंचने की सूचना मिलते ही डीएसपी ओमप्रकाश के साथ सदर थाना के पदाधिकारी अमित रंजन, रौशन कुमार, संदीप राम, चंचल कुमारी, रौशनी कुमारी सहित अन्य पुलिसकर्मी अस्पताल पहुंचे और परिजनों से जानकारी ली। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश फैल गया।

एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि दोपहर में सूचना मिलते ही सदर थाना की टीम ने एफएसएल टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया।

नौकरी छोड़ शुरू की मिथिला के 'सुपरफूड' की खेती

मंगल प्रदीप के मखाना स्टार्टअप से जुड़े 5000 किसान

दरभंगा, एजेंसी। एक समय वो भी था, जब मखाने को लेकर किसान काफी चिंतित हुआ करते थे लेकिन बदलते वक्त के साथ मखाना की डिमांड भी बढ़ने लगी। जिस वजह से बड़े पैमाने पर लोग मखाना का उत्पादन करते हैं। मुनाफे को देखते हुए कई लोग अपनी नौकरी छोड़कर इसे स्टार्टअप के तौर पर अपना रहे हैं। ऐसे ही शख्स हैं मंगल प्रदीप, जिन्होंने नौकरी छोड़कर मिथिला के इस सुपरफूड की खेती कर रहे हैं और अच्छी कमाई कर रहे हैं।

दरभंगा जिले के बहादुरपुर प्रखंड के अहिला गांव निवासी मंगल प्रदीप ने कोरोना काल में अपनी नौकरी छोड़कर घर लौटने का फैसला किया। वह हैदराबाद में अच्छी खासी पैकेज वाली नौकरी कर रहे थे। वे बताते हैं कि कोविड -19 का कहर पूरे दुनिया में प्रभाव दिखाने लगा था। भारत में लॉकडाउन के कारण वर्क फ्रॉम होम शुरू हो गया था।

मंगल प्रदीप कहते हैं, '2020-21 में अपने शहर लौट आया और वर्क फ्रॉम होम का फायदा मिला। दिन में मखाने के व्यापार में ध्यान देने लगा और रात में ड्यूटी करता था। फिर समय बदला। मखाने की मार्केटिंग को समय के साथ भांपकर प्राइवेट नौकरी छोड़कर मखाने का व्यापार शुरू कर दिया।'

मंगल प्रदीप बताते है कि उनके पिता नरेश कुमार दत्ता सिवान मैं कार्यरत थे। हमारी प्राथमिक शिक्षा वहीं से हुई, उसके बाद मेरी इच्छा था कि मैं कंप्यूटर इंजीनियरिंग करूं तो फिर दिल्ली चला गया। वहां 24-25 साल रहा। दिल्ली विश्वविद्यालय से फॉरेन लैंग्वेज मैं बीए किया और उसी दौरान दोस्तों के साथ किशमिश और छुहारा का बिजनेस को संभालने लगा। फिर बच्चों को विदेशी भाषा की शिक्षा भी दी।

बेंगलुरु में कुछ समय तक नौकरी करने के बाद हैदराबाद चला गया। जहां अमेजन कंपनी में कुछ दिन काम किया। हालांकि उस दौरान भी दिमाग में मखाना की खेती और उससे जुड़े उत्पाद पर काम करने की इच्छा बनी रही।

'हमारे क्षेत्र के मखाना से सुपर फूड है, जिसके इतने सारे स्वास्थ्य लाभ है। 2015 के बाद मेरे मन में विचार आया कि इसके लिए कुछ करना चाहिए। यहां के किसानों के लिए कुछ करना है। यही वजह है कि नौकरी करने के बावजूद 2020-21 में मैंने फैसला लिया कि अब समय आ गया है कि इस दिशा में कुछ किया जाए। '- मंगल प्रदीप, उद्यमी

मंगल प्रदीप बताते हैं कि शुरुआत में भारत सरकार और बिहार सरकार से काफी सहयोग मिला। कई जगहों पर ट्रेनिंग के लिए भेजा। इसके साथ-साथ हम किसानों को जोड़ते गए। आज 6 जिलों में करीब 5000 किसान मेरे साथ काम कर रहें है। राजनगर (मधुबनी) उनकी जमीन है, उसी जगह पर वह मखाने की खेती करवाते हैं।

मंगल प्रदीप बताते हैं कि 2020 में नंदिनी मखाना के नाम से एक स्टार्टअप शुरू किया, जिसमें हमने 2000 किसानों के साथ सबसे पहले तो हमने खेती शुरू की और आज हम प्रोसेसिंग भी कर रहे हैं। जिसमें रोस्टेड मखाना, चॉकलेट, बिस्किट और खीर यह तमाम चीज बना रहे हैं। एक समय था जब मखाना के बारे में लोग नहीं जानते थे। कोरोना के बाद लोगों को इसकी गुणवत्ता समझ में आई और इसके डिमांड पूरे विश्व में है। आज इस स्टार्टअप के प्रीमियम मखाना उत्पाद अमेरिका, दुबई, कनाडा और जर्मनी सहित दुनिया के 50 से अधिक देशों में बड़े पैमाने पर सप्लाई की जा रही है।

इनोवेटिव प्रोडक्ट्स सिर्फ कच्चा मखाना बेचने की बजाय, 'नंदिनी मखाना' ने मखाने के प्रसंस्करण पर ध्यान दिया। इनके पोर्टफोलियो में रोस्टेड मखाना (चाट मसाला, पुदीना फ्लेवर), मखाना चॉकलेट, मखाना बिस्किट, मखाना पास्ता और मखाना खीर जैसे आधुनिक और स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद शामिल हैं।

अभी खेत से प्रोसेसिंग करने के बाद अमेरिका, यूके, दुबई, कनाडा, न्यूजीलैंड, नीदरलैंड जैसे देशों में भी सप्लाई करना शुरू कर दिया है और वहां से भी इतनी डिमांड आ रही है कि सप्लाई अभी भी कम पड़ रही है। वे बताते हैं कि कई देशों से डिमांड आ रहे हैं। इसको अभी और बढ़ाने की भी जरूरत है, जिससे यहां के किसान को उचित मूल्य प्राप्त होगा। वैसे खाड़ी देशों से भी इसकी काफी ज्यादा डिमांड है।

मंगल प्रदीप बताते है कि पिछले साल उनके काम को देखते हुए राष्ट्रपति के हाथों पुरस्कार भी मिला था। कई देशों में हम जा चुके हैं। कुछ दिन पहले ही जर्मनी के द्वारा भारत की ओर से उनको भी शामिल किया गया था। जहां उन्होंने देखा कि आने वाले समय में मखाना की डिमांड को लेकर बहुत संभावना है।

फरक्का जल संधि को लेकर जदयू ने खींच दी तलवार, टारगेट रखा साल 2050

बक्सर, एजेंसी। फरक्का डैम को लेकर जनता दल यूनाइटेड ने बड़ी मुहिम शुरू की है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने शनिवार से बक्सर से 'नीतीश संवाद' की शुरुआत की है। इस दौरान संजय झा ने गंगा का जायजा लिया और लोगों से संवाद किया।

संजय झा ने अपने संवाद की शुरुआत गंगा के प्रवेशस्थली बक्सर से की। स्थानीय लोगों से बातचीत के जरिए नदी के हालात को समझने की कोशिश की। लोगों ने गंगा के बढ़े जलस्तर और उससे पैदा होने वाली परेशानियों से सांसद संजय झा को अवगत कराया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद संजय झा ने फरक्का जल संधि को लेकर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 1996 में तत्कालीन यूपीए सरकार के समय हुई फरक्का जल संधि का दंश बिहार करीब 30 वर्षों से झेल रहा है। उनका कहना था कि अब समय आ गया है कि इस समझौते को रद्द किया जाए। अगर इसे रद्द करने में कोई अड़चन है तो नए सिरे से इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। '1996 में किसकी सरकार थी कभी उनसे भी पूछिए। संधि हो रही थी उस समय के मुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री कौन थे उन्होंने हाथ काट कर दे दिया। बिहार के लोगों के हक को बेच दिया गया। उस समय जल संसाधन विभाग ने रिपोर्ट में कहा था कि बिहार के साथ अन्याय हो रहा है, लेकिन कुछ नहीं बोला गया। 30 साल का समय बहुत लंबा होता है। बिहार का हक का पानी दिया गया था। ट्रीटी (संधि) का रिन्यूअल नहीं होना चाहिए

नीतीश संवाद कार्यक्रम को लेकर जदयू का साफ कहना है कि गंगा बिहार की जीवनरेखा है, लेकिन फरक्का बराज और जल संधि से जुड़े सवालों ने राज्य के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी की हैं। बाढ़, सुखाड़, सिंचाई, पेयजल और किसानों की आजीविका से जुड़े इन मुद्दों पर बिहार की आवाज को मजबूती से उठाना जरूरी है। इसी उद्देश्य से जद(यू) ने बक्सर से 'फरक्का जल संधि पर नीतीश संवाद' कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

बता दें कि राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा गंगा किनारे बसे बिहार के 12 जिलों में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के साथ संवाद करने वाले हैं। जद(यू) का स्पष्ट मानना है कि फरक्का जल संधि का नवीनीकरण बिहार के हितों को ध्यान में रखे बिना नहीं होना चाहिए। यदि कोई नई संधि होती है, तो उसमें बिहार की वर्ष 2050 तक की जल आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

स्वतंत्र भारद्वाज के समर्थन में उतरे परिजन, पूरे प्रकरण को बताया 'राजनीतिक

दरभंगा, एजेंसी। जंतर-मंतर विवाद के बाद राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आए, खुद को हिंदुत्ववादी और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बताने वाले स्वतंत्र भारद्वाज उर्फ शगुन मूल रूप से बिहार के दरभंगा जिले के बहादुरपुर थाना क्षेत्र के ओझौल गांव के रहने वाले हैं। इस गांव को मिनी फौज का गांव भी कहा जाता है, क्योंकि यहां के लगभग हर परिवार से लोग फौज या पुलिस विभाग में सेवा दे रहे हैं।

स्वतंत्र के चाचा अजीत झा, जो पेशे से शिक्षक हैं, ने बताया कि परिवार निष्पक्ष जांच चाहता है और दोनों पक्षों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने अपने भतीजे को निर्दोष बताते हुए जल्द रिहाई की मांग की है। परिवार ने स्वतंत्र के खिलाफ दर्ज पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं पर भी सवाल उठाए हैं। चाचा रंजीत झा ने इस घटना को पूरी तरह राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया। उनके अनुसार पूरा विपक्ष इस मामले में लगा हुआ है। स्वतंत्र हिंदुत्व और राष्ट्रवादी विचारधारा रखते हैं तथा राष्ट्र की बात करते हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट लगाने को गलत बताया जा रहा है। परिजन देश के कानून और न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, लेकिन एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगा रहे हैं। ओझौल गांव के ग्रामीणों ने कहा कि 'स्वतंत्र का गांव से पुराना जुड़ाव है और गांव का प्यार व अपनापन आज भी उनके साथ है।' परिवार ने दिल्ली में स्वतंत्र के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों के प्रति आभार भी जताया है। गिरफ्तारी और वायरल वीडियो के बाद गांव में परिजनों तथा ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है। परिवार का स्पष्ट कहना है कि इस पूरे मामले को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। स्वतंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी के बाद उनके पैतृक गांव ओझौल में परिजन और ग्रामीण इस घटनाक्रम से व्यथित हैं तथा निष्पक्ष जांच व न्याय की उम्मीद कर रहे हैं।स्वतंत्र भारद्वाज का जन्म बिहार के भागलपुर जिले के नवगछिया में हुआ था। उनकी शुरुआती पढ़ाई पटना में हुई, इसके बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री हासिल की। पिछले कुछ वर्षों से वे दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहे हैं।

न्यू फरक्का और तिलडांगा के बीच ट्रेन परिचालन बहाल, पटरी धंसने का असर बरकरार, कई ट्रेनें घंटों लेट

किशनगंज, एजेंसी। न्यू फरक्का-तिलडांगा रेलखंड में पटरी के नीचे मिट्टी धंसने के बाद रेल परिचालन बहाल हो गया है, लेकिन इसका असर अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। रविवार को फरक्का रेलखंड में आयी परेशानी के कारण किशनगंज, ठाकुरगंज और सिलीगुड़ी की ओर आने-जाने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनें घंटों की देरी से पहुंची। कई ट्रेनों का परिचालन चार से छह घंटे तक प्रभावित रहा। इससे यात्रियों की आगे की यात्रा और कनेक्टिंग ट्रेनों की योजना भी बिगड़ गयी।

दो दिनों तक रद्द रहने के बाद 13149 कंचनकन्या एक्सप्रेस रविवार को फिर पटरी पर लौटी, लेकिन यात्रियों को तत्काल राहत नहीं मिल सकी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंचनकन्या एक्सप्रेस किशनगंज में करीब चार घंटे और ठाकुरगंज में करीब चार घंटे 28 मिनट की देरी से पहुंची। रेल परिचालन में आयी बाधा के कारण ट्रेन को दमदम जंक्शन से न्यू फरक्का जंक्शन के बीच डायवर्जन के रास्ते चलाया जा रहा है। मार्ग में बदलाव और परिचालन व्यवस्था के कारण ट्रेन की समय-सारिणी प्रभावित हुई।

फरक्का रेलखंड में व्यवधान का असर रविवार को कई अन्य ट्रेनों पर भी दिखाई दिया। 13147 उत्तरबंगा एक्सप्रेस किशनगंज में करीब छह घंटे की देरी से पहुंची। वहीं 12343 दार्जिलिंग मेल करीब चार घंटे 42 मिनट लेट रही। 12377 पदातिक एक्सप्रेस भी किशनगंज

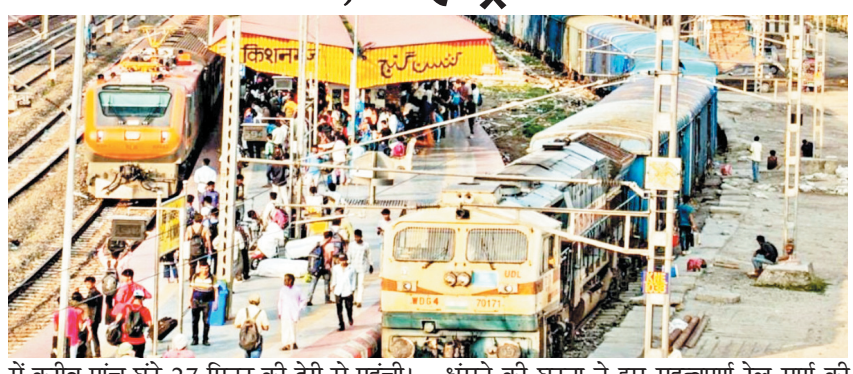

में करीब पांच घंटे 27 मिनट की देरी से पहुंची। इसके अलावा 22301 न्यू जलपाईगुड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस करीब तीन घंटे 49 मिनट की देरी से किशनगंज पहुंची।

किशनगंज स्टेशन मास्टर दीपक कुमार ने बताया कि 15721 पहाड़िया एक्सप्रेस के परिचालन पर भी फरक्का रेलखंड की बाधा का असर पड़ा। ट्रेन किशनगंज में करीब दो घंटे 51 मिनट और ठाकुरगंज में करीब दो घंटे 48 मिनट की देरी से पहुंची। एक के बाद एक महत्वपूर्ण ट्रेनों के विलंबित होने से रेलवे यात्रियों को स्टेशन पर लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। कई यात्रियों को आगे की ट्रेन पकड़ने और निर्धारित समय पर गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हुई।

न्यू फरक्का के पास रेल पटरी के नीचे मिट्टी धंसने की घटना ने इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग की संवेदनशीलता को सामने ला दिया है। रेलखंड में व्यवधान के बाद ट्रेनों के मार्ग में बदलाव करना पड़ा, जिसका असर मालदा से लेकर किशनगंज, ठाकुरगंज और सिलीगुड़ी तक दिखाई दिया। रेल परिचालन बहाल होने के बावजूद ट्रेनों के समय पर परिचालन नहीं होने से यात्रियों की परेशानी बनी हुई है।

फरक्का रेलखंड में परिचालन बहाल होने के बाद यात्रियों को उम्मीद थी कि ट्रेनों की आवाजाही जल्द सामान्य हो जाएगी। हालांकि इसका असर अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। किशनगंज और ठाकुरगंज होकर सिलीगुड़ी तथा अन्य क्षेत्रों की ओर जाने वाले यात्रियों की नजर अब ट्रेनों के समय पर लौटने पर है।

चोरी के डर से क्रेन से दूसरी मंजिल पर चढ़ाई स्कॉर्पियो, विदेश में रहता है मालिक

गोपालगंज, एजेंसी। बिहार के गोपालगंज से एक अनोखा मामला सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया से लेकर स्थानीय इलाकों तक हर तरफ चर्चा का माहौल गर्म कर दिया है। आमतौर पर लोग अपने मकानों की छतों पर पानी की टंकियां, गमले या कपड़े सुखाने का इंतजाम करते हैं लेकिन गोपालगंज के एक शख्स ने सुरक्षा की खातिर अपनी स्कॉर्पियो को क्रेन की मदद से सीधे दो मंजिला मकान की छत पर पहुंचा दिया।

ये अनोखी घटना गोपालगंज के मांझा थाना क्षेत्र स्थित मीरा टोला गांव की है। यहां के रहने वाले मनोज यादव ने हाल ही में एक नई स्कॉर्पियो क्लासिक खरीदी थी। मनोज यादव खुद इजरायल में नौकरी करते हैं और घर पर केवल उनकी पत्नी रहती हैं।

मनोज यादव के विदेश जाने के बाद गाड़ी की देखभाल और चलाने के लिए एक ड्राइवर रखा गया था। हालांकि, कुछ समय बाद उस ड्राइवर को भी काम के सिलसिले में विदेश जाना पड़ा। ड्राइवर के चले जाने के बाद परिवार के सामने कार की सुरक्षा को लेकर एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई।स्थानीय लोगों का कहना है कि घर में कोई पुरुष सदस्य न होने के कारण परिवार को गाड़ी चोरी होने या उसके क्षतिग्रस्त होने का डर सताने लगा। लंबी अवधि तक कार को सुरक्षित रखने का कोई और उपाय न दिखने पर, मालिक ने एक अनोखा फैसला लिया। उन्होंने एक बड़ी क्रेन बुलाई और भारी-भरकम गाड़ी को हवा में उठवाकर सीधे अपने दो मंजिला मकान की छत पर पार्क करवा दिया।क्रेन की मदद से कार को छत पर उतारने का यह नजारा कैमरे में कैद हो गया और अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। नेटिजन्स इस अनोखे जुगाड़ को देखकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कुछ लोग इसे गाड़ी की सुरक्षा का सबसे नायाब तरीका बता रहे हैं तो वहीं कई लोग मकान की छत की मजबूती और भार क्षमता को लेकर चिंता जता रहे हैं।हालांकि, इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि छत इतनी भारी कार का वजन सहने के लिए तकनीकी रूप से सक्षम है या नहीं। फिलहाल, गोपालगंज की यह 'छत वाली स्कॉर्पियो' पूरे इलाके में कौतूहल और चर्चा का मुख्य विषय बनी हुई है।

अब बिहार में 'स्कूल ठीक करो' अभियान : दीपांकर भट्टाचार्य

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना में 'जेनजी राइजिंग' कार्यक्रम में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा शामिल हुई। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं की पहचान शिक्षा, रोजगार और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले छात्रों से होनी चाहिए। माले महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन को राज्य में स्कूल एजुकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने पर फोकस करने वाला एक बड़ा मूवमेंट बनाने की अपील की।

भाकपा-माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा, बिहार सरकार स्कूलों को अपग्रेड कर रही है, लेकिन अपग्रेड किए गए स्कूलों में ज़मीनी स्तर पर कोई ठोस सुधार नहीं किया गया है। एजुकेशन सिर्फ़ स्टूडेंट्स और युवाओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चिंता का विषय होना चाहिए।

विद्यालयों की आधारभूत संरचना, शिक्षकों की उपलब्धता और शिक्षा की गुणवत्ता गंभीर विषय हैं। कई स्कूलों को उत्क्रमित तो किया गया, लेकिन उनकी वास्तविक स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। उनके मुताबिक शिक्षा को केवल शिक्षक और छात्रों का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे बिहार के भविष्य का सवाल मानकर आंदोलन खड़ा करना होगा।

केवल उम्र या पीढ़ी की पहचान तक सीमित नहीं बताया। उन्होंने इसे अन्याय के खिलाफ आवाज और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष से जोड़ते हुए कहा कि युवाओं के सामने शिक्षा, रोजगार, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और सम्मान के सवाल महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने 'एक देश, एक एजुकेशन' की भी वकालत की और स्टूडेंट्स और युवाओं से एक कॉमन स्कूल सिस्टम की मांग करने की अपील की।

कार्यक्रम में आइसा की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने बीपीएससी 70वीं परीक्षा और दरोगा भर्ती परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बिहार के छात्र इन परीक्षाओं को लेकर सरकार से जवाब चाहते हैं। उनके मुताबिक प्रतियोगी परीक्षाओं में होने वाली गड़बड़ियों का सीधा असर उन युवाओं पर पड़ता है, जो वर्षों तक नौकरी की तैयारी करते हैं।

पालीगंज विधायक संदीप सौरभ ने बिहार की स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में शिक्षा का बजट कम किया गया है और कई विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं की कमी है। उन्होंने बच्चों की सीखने की क्षमता और स्कूलों की मौजूदा स्थिति को लेकर सरकार से जवाब मांगने की बात कही।

कार्यक्रम को चार अलग-अलग सत्रों में आयोजित किए गए। पहले सत्र में पुलिस कार्रवाई और आंदोलनों के दौरान सामने आए अनुभवों पर चर्चा हुई। इसमें पुलिस कार्रवाई से प्रभावित युवाओं और आंदोलनकारियों ने अपनी बातें रखीं। सिवान में पुलिस फायरिंग से प्रभावित आरिफ, आंदोलन के दौरान जेल गईं पटना विश्वविद्यालय की छात्र नेता सबा और नीट परीक्षा से जुड़ी समस्या का सामना करने वाले परिवार के सदस्य नवीन ने अपने अनुभव साझा किए।

5000 समूहों को लोन का लक्ष्य

अब तक सिर्फ 2544 को मंजूरी

आगरा , एजेंसी। आगरा में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और गरीबी मिटाने के लिए शुरू की गई दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों को बिना गारंटी ऋण देने में बैंक सुस्ती दिखा रहे हैं। इससे आधी आबादी के स्वरोजगार सृजन के सपनों पर ब्रेक लग रहा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले में 5000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण देने का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके सापेक्ष 31 जुलाई 2026 तक बैंकों ने मात्र 2544 समूहों के ऋण स्वीकृत किए हैं। 439 प्रस्ताव अभी भी लंबित हैं। इस सुस्त रवैये पर नोडल विभाग ने विस्तृत चर्चा की आवश्यकता जताई है। रोजगार सृजन के इस लक्ष्य के प्रति बड़े बैंक भी गंभीर नहीं हैं।

बिना गारंटी 1 से 10 लाख रुपए तक ऋण

नियमों के अनुसार पहले वर्ष में समूह की कुल बचत का 6 गुना या न्यूनतम 1 लाख रुपये (जो भी अधिक हो) का ऋण स्वीकृत किया जाता है। बेहतर प्रदर्शन पर बाद के वर्षों में इसे बढ़ाकर 3 लाख रुपये, 5 लाख रुपये या उससे अधिक कर दिया जाता है। योजना का सबसे बड़ा फायदा यह है कि गाइडलाइन के अनुसार, 10 लाख रुपये तक के ऋण प्रस्ताव पर बैंकों की ओर से किसी भी प्रकार की कोलेटरल (गिरवी) या मार्जिन मनी नहीं मांगी जाती है। इससे महिलाएं आसानी से अपना लघु उद्योग शुरू कर सकती हैं।

बीती तिमाही में केनरा बैंक ने 1550 के सर्वाधिक लक्ष्य के सापेक्ष 1227 समूहों को ऋण स्वीकृत किया है। वहीं, देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने 800 के लक्ष्य में से केवल 219 समूहों को ही ऋण दिया है। यूपी ग्रामीण बैंक भी 1200 के बड़े लक्ष्य के सामने मात्र 502 समूहों को ही ऋण बांट सका है। बैंक लिंकेज के जरिये समूह बैंक को यह साबित करता है कि वह वित्तीय रूप से अनुशासित है। ऋण प्राप्ति के लिए समूह का कम से कम 6 महीने सक्रिय होना और नियमित बैठक, नियमित बचत, आंतरिक लेनदेन, समय पर कर्ज वापसी और सही हिसाब-किताब के पांच सूत्रों का पालन करना अनिवार्य है।

बैंकों से मांगा जाएगा जवाब

स्वयं सहायता समूहों की बैंक लिंकेज प्रगति बढ़ाई जाएगी। शत-प्रतिशत पात्र समूहों को ऋण से जोड़ेंगे। इस कार्य में लापरवाही बरतने वाले बैंकों से जवाब मांगा जाएगा।

शहर के 90 अत्याधुनिक कूड़ा घरों की जांच शुरू

कानपुर, एजेंसी। एक ही वार्ड में एक साथ नौ अत्याधुनिक कूड़ा घर बनाए जाने का खुलासा होने के बाद पूरे शहर के 90 अत्याधुनिक कूड़ा घर जांच के दायरे में आ गए हैं। नगर आयुक्त ने सभी छह जोन से इनकी जांच रिपोर्ट मांगी है। वार्ड-23, कल्याणपुर आवास विकास के पार्षद रामनारायण ने शिकायत की थी कि कानपुर की फर्म मेसर्स श्रीराम इन्फ्राटेक कंपनी ने उनके वार्ड में एक साथ नौ अत्याधुनिक कूड़ा घर का निर्माण कराया है। इनमें से सिर्फ चार ही चल रहे।

नगर निगम में भ्रष्टाचार की परतें धीरे-धीरे खुलती जा रही हैं। अब अत्याधुनिक कूड़ा घरों का मामला सामने आया है। शहर में कूड़े के निस्तारण के लिए स्मार्ट सिटी के तहत हर वार्ड में सॉलिड वेस्ट ट्रांसफर स्टेशन (अत्याधुनिक कूड़ा घर) बनाए गए हैं। इनकी संख्या करीब 90 है। पार्षद शिकायत कर रहे थे कि उनके वार्ड में यह अत्याधुनिक कूड़ा घर तो बने हैं लेकिन संचालित नहीं हो रहा। इससे सड़क तक कूड़ा फैला रहता। इसके मद्देनजर अब इन कूड़ा घरों की जांच कराने का निर्णय लिया गया है। इसमें यह देखा जा रहा है कि कहां-कहां यह अत्याधुनिक कूड़ा घर बने हैं। यह संचालित हो रहे हैं या नहीं और कूड़ा निस्तारण हो रहा है या नहीं। नियमत- हर वार्ड में कम से कम एक अत्याधुनिक कूड़ा घर होना चाहिए। आबादी के हिसाब से इनकी संख्या दो से चार तक भी हो सकती है लेकिन अभी भी शहर के 110 में से कई वार्ड ऐसे हैं जहां इनका निर्माण ही नहीं कराया गया है। कई वार्डों में बने भी हैं तो संचालित नहीं हो रहे।

संक्षिप्त समाचार

फिजियोथेरेपी में एआई से मरीजों का इलाज होगा और आसान

लखनऊ , एजेंसी। फिजियोथेरेपी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मरीजों के इलाज को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है। इससे मरीज की चाल, शरीर की मुद्रा और गतिविधियों का आकलन कर जरूरत के अनुसार व्यायाम व उपचार की योजना तैयार की जा सकेगी। बीमारी या चोट के बाद सामान्य गतिविधियों में लौटने में भी मदद मिलेगी। हालांकि, एआई फिजियोथेरेपिस्ट का विकल्प नहीं, बल्कि उपचार में सहायक उपकरण होगा। यह जानकारी लोहिया संस्थान के रेस्पीरेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अजय वर्मा ने दी।

रविवार को संस्थान के प्रेक्षागृह में दो दिवसीय एएसपीटी कॉनक्लेव-2026 का समापन हुआ। इसमें देशभर से फिजियोथेरेपिस्ट, शिक्षक, शोधकर्ता और विद्यार्थी शामिल हुए। विशेषज्ञों ने एआई आधारित मूवमेंट एनालिसिस, गैट-पोश्चर असेसमेंट, रोबोटिक तकनीक, लेजर व इलेक्ट्रोथेरेपी पर चर्चा की। केजीएमयू की टीम ने पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन का प्रशिक्षण दिया। विशेषज्ञों ने मरीजों के डेटा की गोपनीयता और उपचार में जवाबदेही को भी जरूरी बताया। डॉ. सूर्यकांत, डॉ. अंकित कुमार, डॉ. शिवम श्रीवास्तव, डॉ. सुबिया हसन और डॉ. मोनिका अवस्थी समेत अन्य विशेषज्ञ मौजूद रहे।

मिक्सी-कूलर से झनझनाहट

ईयरबड्स से सुनने की क्षमता पर असर

आगरा, एजेंसी। घर में बढ़ता शोरगुल भी लोगों के कानों को बीमार कर रहा है। मिक्सी, कूलर, टीवी-मोबाइल की तेज आवाज से कानों में झनझनाहट, खुजली हो रही है। चिड़चिड़ापन भी देखने मिल रहा है। इससे बच्चे और महिलाएं ज्यादा प्रभावित हो रही हैं। फतेहाबाद रोड स्थित सिजीकॉन-2026 में डॉक्टरों ने व्याख्यान में इसकी जानकारी दी।

प्रयागराज के डॉ. लक्ष्मीशंकर ओझा ने बताया कि घर में औसतन 50 डेसिबल से कम आवाज रहनी चाहिए। अब टीवी, मोबाइल, कूलर, मिक्सी-ग्राइंडर समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आवाज से 60-80 डेसिबल तक आवाज रह रही है। अगर घर सड़क किनारे है तो ये परेशानी और बढ़ जाती है। इससे लंबे समय तक कानों का गुम रहना, झनझनाहट, दोहरी आवाज आना, झनझनाहट, सांय-सांय की आवाज की परेशानी होने लगती है। तेज बोलने, चिड़चिड़ेपन, नींद कम आने की भी दिक्कत बन रही है। सैफई मेडिकल कॉलेज के डॉ. संजीव यादव ने बताया कि बच्चे और युवाओं में तेज आवाज में संगीत सुनना, ईयरबड्स-हेडफोन लगाने का चलन बढ़ा है। इससे कान की सुनने वाली कोशिकाएं प्रभावित होती हैं।

इनको नुकसान पहुंचने से ये परेशानी बन रही हैं। राजस्थान यूनिवर्सिटी हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज के प्राचार्य डॉ. मोहनीश ग्रोवर ने बताया कि 1000 में से 3-5 बच्चे जन्मजात मूक-बधिर पैदा हो रहे हैं। इनके लिए कॉक्लियर इम्प्लांट वरदान साबित हो रहा है। ये महंगी सर्जरी है, ऐसे में राज्य और केंद्र सरकार की योजना के तहत ये निशुल्क हो रहे हैं।

आयोजन अध्यक्ष डॉ. राजीव पचौरी, सचिव मीनाक्षी बढ़ेरा और डॉ. गौरव खंडेलवाल ने बताया कि मूक-बधिर बच्चे होने पर साल भर की उम्र तक सर्जरी बेहद कारगर है। इससे सुनने और बोलने की क्षमता शतप्रतिशत होती है। 3-5 साल तक की उम्र में भी कॉक्लियर इम्प्लांट करा सकते हैं।

रम्पुटा चुनाव के लिए चुनाव अधिकारी और पर्यवेक्षक घोषित

अलीगढ़ , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (रम्पुटा) के चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 19 सितंबर को चुनाव होगा। चुनाव को संपन्न कराने के लिए चुनाव अधिकारी, पर्यवेक्षक और चुनाव संचालन समिति का गठन कर दिया गया है।

चुनाव अधिकारी प्रो. महावीर सिंह छोकर प्राचार्य पीसी बागला महाविद्यालय हाथरस, प्रो. लकी गुप्ता प्राचार्या श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय अलीगढ़ और प्रो. मुकेश भारद्वाज प्राचार्य धर्म समाज महाविद्यालय अलीगढ़ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। चुनाव की निगरानी के लिए फुपुक्टा अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान और महामंत्री प्रो. प्रदीप कुमार सिंह को चुनाव पर्यवेक्षक बनाया गया है।

अनुभवी शिक्षकों की चुनाव संचालन समिति

चुनाव के सुचारू संचालन के लिए आगरा विवि शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. रक्षपाल सिंह को चुनाव संचालन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति के सदस्य पूर्व प्राचार्य प्रो. पंकज वार्ष्णेय, डॉ. आरके अग्रवाल, डॉ. डीके गौड़, डॉ. पीके शर्मा, प्रो. ब्रजरानी, डॉ. भरत सिंह, डॉ. बीपी पांडेय होंगे। रम्पुटा अध्यक्ष प्रो. हरीश शर्मा को चुनाव संचालन समिति का सचिव बनाया गया है। समिति के विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. पुष्पेंद्र सिंह, डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. निशान चौहान होंगे।

आरएमपीयू से संबद्ध एटा, अलीगढ़, हाथरस और एटा के कुल 12 अनुदानित महाविद्यालय हैं। इनमें करीब 400 शिक्षक मतदाता हैं।

500 रुपये रोज पर वेटर बना राष्ट्रीय खिलाड़ी

मुंबई में ऐसे बिताया एक महीना; किशोर न्यायालय में होगा पेश

आगरा, एजेंसी। आगरा के एकलव्य स्टेडियम के हॉस्टल में निरीक्षण के दौरान सिगरेट का पैकेट मिलने पर आरएसओ और परिजन की डांट के डर से भागे राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी वंश को पुलिस सोमवार को किशोर बोर्ड न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेगी। दर्ज गुमशुदगी के मामले में न्यायालय के समक्ष दिए बयान के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। शनिवार रात उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) भेजा गया था। पुलिस खिलाड़ी को मुंबई के माटुंगा क्षेत्र की एक मलिन बस्ती से खोजकर लाई है। शाहगंज के नगला छउआ निवासी वंश टेबल टेनिस के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं। वह एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम के हॉस्टल में रह रहे थे। 31 जुलाई की सुबह पांच बजे के करीब वह हॉस्टल से कहीं चले गए थे। पिता शैलेष ने आरएसओ, कोच और वार्डन समेत अन्य पर बेटे को प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने अपनी तरफ से गुमशुदगी दर्ज की थी।

सीसीटीवी में वंश अकेले कैंट स्टेशन जाते दिखे थे। वहां से हरिद्वार की ट्रेन में बैठने की पुष्टि हुई थी। इसके बाद पुलिस को उनका पता नहीं चल रहा था। पुलिस एक माह से उनकी तलाश कर रही थी। सीसीटीवी की रिकॉर्डिंग से

उसके मुंबई की ओर जाने का अंदेशा हुआ। पुलिस जांच कर रही थी कि एक परिचित को वंश ने इंस्टाग्राम पर संदेश भेज दिया।

डीसीपी सिटी ने बताया कि सदर थाने से दरोगा रिक्की पौनिया को टीम के साथ मुंबई भेजा गया। टीम ने माटुंगा क्षेत्र के लेबर चौक के निकट मलिन बस्ती से वंश को खोज निकाला। वंश वहां एक ठेकेदार के पास मजदूरी कर रहा था। ठेकेदार उसे 500 रुपये रोजाना की मजदूरी पर वेटर, कैटरिंग हेल्पर समेत अन्य काम करवाता था। मजदूरी में से 200 रुपये ठेकेदार को देने होते थे। खोली में रहने के अन्य साथियों को 50 रुपये और खाने के लिए 50 रुपये देने पड़ते थे। पूछताछ में वंश ने बताया कि खोली में साथ रहने वाले युवक के मोबाइल से वह इंस्टाग्राम पर परिचित की प्रोफाइल देख रहा था। उसे सारी जानकारी मिल रही थी पर उसे डर था कि वापस आने पर परिजन उसे डांटेंगे।

पिता बोले-बुरा सपना समझकर भूल जा बेटा

वंश के पिता शैलेष सिंह ने बताया कि बेटा इतने दिनों में काफी परेशान रहा था। उससे मिलने पर उन्होंने उसे कुछ नहीं कहा। गले लगकर रोने के बाद उसे समझाया कि वह सभी बातों को एक बुरा सपना समझकर भूल जा। अपने कॅरिअर पर ध्यान दे और देश का नाम अपने खेल के जरिए रौशन करे। डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि लापता खिलाड़ी को मुंबई से तलाशकर लाया गया है। उसे सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सोमवार को किशोर बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। न्यायालय के समक्ष दिए बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद की कंपनी दिलाएगी जलभराव से निजात

● इंटीग्रेटेड अर्बन स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाने की तैयारी शुरू

कानपुर, एजेंसी। बारिश में जलभराव से शहरवासी परेशान हैं। इससे निजात दिलाने के लिए ड्रेनेज सिस्टम में सुधार किया जाएगा ताकि पानी की निकासी हो सके। इसके लिए जल निगम ने इंटीग्रेटेड अर्बन स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाने की तैयारी शुरू की गई है। हैदराबाद की कंपनी मेसर्स एसीपीई इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडिया को मास्टर प्लान बनाने के लिए चयनित किया गया है। इस पूरे प्रोजेक्ट में 10 करोड़ खर्च होंगे। नेशनल रिमोट सेंसिग सेंटर (इसरो) की मदद से नगर निगम पहले ही शहर में नालों-नालियों की मैपिंग करा चुका है। शहर में वर्तमान में 28 संवेदनशील ऐसे क्षेत्र हैं जहां भीषण जलभराव होता है। इस बार बारिश में जलभराव की समस्या वाले 116 स्थानों को वार्ड वार चिह्नित किया गया है। जल निगम की सीएडंडीएस इकाई के निर्देशन में कंपनी ने मास्टर प्लान बनाने के लिए सर्वे भी शुरू कर दिया है। कंपनी डिजाइन के साथ प्लानिंग और प्रोजेक्ट संबंधी परामर्श भी देगी। तय हुआ है कि सीवर और बारिश के पानी की निकासी के लिए अलग-अलग पाइपलाइन होनी चाहिए।

छोड़ देता, साथ न रखता...

जान क्यों ले ली

लखनऊ , एजेंसी। हेड कांस्टेबल हिमांशु श्रीवास्तव ने जिस बेरहमी से पत्नी रश्मि की हत्या की उसका शव देखकर मायके वाले सिहर उठे। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद पारा निवासी रश्मि के भाई सौरभ ने रोते हुए कहा कि बहन को साथ न रखता लेकिन ऐसे मारना नहीं चाहिए था। सौरभ ने आरोप लगाया कि शादी के करीब डेढ़ साल बाद से ही हिमांशु और उसके परिजन रश्मि को आए दिन प्रताड़ित करते थे। दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया था कि हिमांशु ने रश्मि से तलाक के लिए कोर्ट में अर्जी तक दाखिल की थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था।

भाई का आरोप है कि रश्मि को पति हिमांशु का शराब पीना पसंद नहीं था। वह हिमांशु को शराब पीने से मना करती थी। इसी बात पर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। तलाक के मामले में समझौते के कुछ दिन बाद हिमांशु ठीक रहा लेकिन फिर रश्मि से मारपीट करने लगा। उस समय रश्मि के पिता शेषमणि श्रीवास्तव जौनपुर में लेखपाल थे। रश्मि ने जौनपुर में हिमांशु के खिलाफ घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में भी बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। सौरभ का आरोप है कि हिमांशु का एक भाई उसे रश्मि को छोड़ने के लिए उकसाता था। एसीपी महानगर ने बताया कि दंपती के बीच चल रहे

विवाद के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

अब मासूम तन्मय का क्या होगा: पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद रश्मि के मायके वालों ने बताया कि बेटा तन्मय बड़ी मन्नतों के बाद हुआ था। अब मां की मौत हो गई और पिता को जेल जाना पड़ रहा है। ऐसे में मासूम तन्मय का क्या होगा। फिलहाल पुलिस ने तन्मय को रश्मि के मायके वालों के सुपुर्द कर दिया है।

सीसीटीवी कैमरे में इमामदस्ता हाथ में लिए दिखा आरोपी: पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी हेड कांस्टेबल हिमांशु को इमामदस्ता हाथ में लिए देखा गया है। हालांकि, फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। एसीपी महानगर अंकित कुमार का कहना है कि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। आरोपी हिमांशु के मोबाइल फोन की कॉल डिटेल भी खंगाली जा रही है।

हिमांशु को बर्खास्त करने की मांग: रश्मि के मायके वालों ने आरोपी हिमांशु को पुलिस विभाग से बर्खास्त करने की मांग की है।

डॉ. टीके लहरी मामला

डॉ. लहरी से मिलने पहुंचा तो पता चला कोई अप्रिय घटना हुई है

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू में भर्ती पद्मश्री डॉ. टी.के. लहरी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने पहुंचे राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल ने इलाज के दौरान हुई घटना को लेकर चिंता जताई है। राज्यमंत्री ने रविवार की देर रात को अपने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से मुलाकात और इसके बाद दिए गए निर्देशों की जानकारी साझा की। राज्यमंत्री ने पोस्ट में बताया कि डॉ. लहरी की आंखों में कुछ लालिमा दिखाई दी। उन्होंने इस बारे में डॉ. लहरी से पूछा तो उन्होंने इशारों में बताया कि आंख में कोई परेशानी नहीं है और वह स्वस्थ हैं। हालांकि, राज्यमंत्री ने कहा कि उन्हें डॉ. लहरी का इशारा ठीक नहीं लगा। इसी दौरान उन्हें इलाज के दौरान किसी अप्रिय घटना के होने की जानकारी मिली। राज्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने बीएचयू के डायरेक्टर प्रो. एसएन शंखवार, चीफ प्रॉक्टर और एसीपी भेलूपुर को सख्त निर्देश दिए हैं कि घटना की जांच के लिए कमेटी बनाई जाए। कमेटी पूरे मामले की जांच कर एक सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

जरूरतमंदों की मददगार आराध्या को उदयपुर में मिला सम्मान

कानपुर, एजेंसी। महज छह साल की उम्र में कोरोना संक्रमण से पिता को खोने वाली आराध्या त्रिपाठी जरूरतमंदों का सहारा बनी हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी मदद के वीडियो देखने के बाद नारायण सेवा संस्थान उदयपुर ने उन्हें दो सितंबर को ग्लोबल ह्यूमैनिटेरियन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया। सोशल क्रिएटर आराध्या वहां मुख्य अतिथि के रूप में भी आमंत्रित की गई थीं। आराध्या ऑक्सफोर्ड स्कूल श्याम नगर में कक्षा पांच की छात्रा है। मां आरती त्रिपाठी कहती हैं कि कोरोना में आराध्या के पिता की मौत हुई थी। उस समय घर की स्थिति ठीक नहीं थी। कई लोगों से मदद मांगी, लेकिन कोई भी आगे नहीं आया। आराध्या को उस दौरान का संघर्ष याद रहा। बेटी जैसे-जैसे बड़ी हुई, उसमें जरूरतमंदों की मदद करने का जज्बा बढ़ता गया। जब भी किसी रिक्शा चालक, फेरी वाले या मंदिर में बैठे जरूरतमंद को देखती तो उन्हें अपने पास से कुछ न कुछ दान कर देती। उसके मामा मनीष चतुर्वेदी ने पूरा सहयोग किया। परिस्थितियां कितनी भी विपरीत रही हो बेटी ने हिम्मत बनाए रखी और जरूरतमंदों की मदद की।

महिलाओं के लिए लगेगा रोजगार मेला

चार कंपनियां देंगी नौकरियां

लखनऊ, एजेंसी। छात्राओं व युवतियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए राजधानी में 11 सितंबर को एक विशाल रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज के परिसर में सीधा साक्षात्कार और भर्ती प्रक्रिया होगी। इसमें चार प्रमुख कंपनियां हीरो मोटोकॉर्प, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और अल्मास एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड प्रतिभागियों का चयन करेंगी। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मेले का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है।

यह मेला उनकी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार प्रदान करेगा। आईटीआई और अन्य शैक्षिक योग्यता वाली इच्छुक अभ्यर्थी विभिन्न पदों के लिए आवेदन कर सकती हैं।

प्लेसमेंट अधिकारी एमए खां ने बताया कि हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड हरिद्वार प्लांट के लिए 50 छात्राओं की भर्ती करेगा। इसके लिए 10वीं पास और फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन जैसे आईटीआई ट्रेड में उत्तीर्ण छात्राएं पात्र होंगी। चयनित छात्राओं को 26,450 रुपये का कुल पैकेज और लगभग 18,487 रुपये प्रतिमाह शुद्ध वेतन मिलेगा। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड सुमेरपुर प्लांट में ट्रेनी पद के लिए 15 महिलाओं का चयन करेगा। उन्हें 14,000 रुपये प्रतिमाह शुद्ध वेतन दिया जाएगा।

महिला टेलरों की भी होगी भर्ती: एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस लखनऊ के लिए वित्तीय सलाहकार पद पर सीधा साक्षात्कार आयोजित करेगा।

12वीं पास या स्नातक महिलाएं इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। उन्हें 20,000 रुपये प्रतिमाह तक की आय का अवसर मिलेगा। अल्मास एक्सपोर्ट्स एंड इंपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड जानकीपुरम विस्तार में महिला टेलर के पदों पर भर्ती करेगा।

आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेज:

इच्छुक और योग्य अभ्यर्थियों को अपने शैक्षिक और तकनीकी योग्यता प्रमाणपत्र साथ लाने होंगे। पहचान संबंधी दस्तावेज और अन्य आवश्यक प्रमाणपत्र भी लाने होंगे। बायोडाटा भी साथ लाना अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को 11 सितंबर को सुबह 10 बजे राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ के विवेकानंद हॉल में उपस्थित होना होगा।

संक्षिप्त समाचार

पॉलिमर तकनीक का कराया पेटेंट, बिना केमिकल नष्ट होंगे जीवाणु

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसी रसायन-मुक्त जीवाणुरोधी सतह का पेटेंट कराया है, जो हानिकारक रसायन के इस्तेमाल के बिना जीवाणुओं को खत्म कर सकती है। इसका उद्देश्य दुनियाभर में उभर रही एक गंभीर समस्या यानी रोगाणुरोधी प्रतिरोध या एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस (एएमआर) से निपटना है। एएमआर वह स्थिति है, जिसमें बीमारी फैलाने वाले जीवाणु सुपरबग में बदल जाते हैं और पारंपरिक उपचारों के प्रति प्रतिरोधी

हो जाते हैं। एएमआर दुनियाभर में स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। प्रोफेसर परशुरामन स्वामीनाथन के अनुसार यह तकनीक किसी रासायनिक प्रक्रिया पर आधारित नहीं है, बल्कि इसमें विशेष रूप से तैयार की गई नैनो पालिमर का इस्तेमाल किया गया है। ये नैनो संरचनाएं जीवाणु के संपर्क में आने पर उनकी कोशिका दीवार को तोड़कर उन्हें नष्ट कर देती हैं। उन्होंने पीटीआई से कहा, ये सतह मानव कोशिकाओं के जुड़ने और बढ़ने के लिए सुरक्षित हैं, लेकिन जीवाणु पर ये गंभीर दबाव डालती हैं, जिससे उनकी कोशिका दीवार टूट जाती है और वे नष्ट हो जाते हैं। इस शोध के परिणाम पत्रिका 'एसीएस एप्लाइड बायोमटेरियल्स' में प्रकाशित हुए हैं। स्वामीनाथन ने कहा, रसायनों या दवाओं के इस्तेमाल के बजाय हमने सतह को ही इस तरह तैयार किया है कि वह जीवाणु को भौतिक रूप से नष्ट कर सके। यह तरीका जीवाणु में दवाओं के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित होने के खतरे को काफी कम करता है। शोधकर्ताओं ने रिएक्टिव आयन एचिंग (आरआइई) नाम की लो-प्रेशर प्लाज्मा प्रोसेस का इस्तेमाल कर एंटीबैक्टीरियल सतहें बनाईं। इस प्रक्रिया से सिलिकॉन की सतह पर एक खास तरह की घनी परत बनती है। यह परत जीवाणु की कोशिकाओं तक दबाव को प्रभावी ढंग से पहुंचाने में मदद करती है जिससे नैनो संरचनाओं की जीवाणु को नष्ट करने की क्षमता बढ़ जाती है। अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने तीन अलग-अलग प्रकार के जीवाणुओं पर इस सतह का परीक्षण किया, जिसमें 'ग्राम-पॉजिटिव' और 'ग्राम-नेगेटिव' दोनों तरह के जीवाणु शामिल थे।

पहले सौरभ दास और फिर अभिजीत दीपके; 24 घंटे में एक जैसी गलती पर घिरे दोनों

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के राष्ट्रीय संयोजक, सह-संयोजक अभिजीत दीपके और सौरभ दास 24 घंटे के भीतर एक जैसी गलतियों की वजह से सोशल मीडिया पर ट्रोल हो गए। जल्दबाजी में या बिना जांचे-परखे फर्जी फोटो-वीडियो के सहारे भाजपा नेता गौरव भाटिया और राम मंदिर के पहले सीईओ जीतेंद्र मिश्रा को घेरने के चक्कर में खुद ही घिर गए। दोनों ने अपनी गलती मानी, लेकिन आलोचक उनसे माफी और उनके खिलाफ केस दर्ज करने की मांग भी करने लगे हैं। सबसे पहले बात सौरभ दास की। कुछ ही महीने सीजेपी के प्रवक्ता रहने के बाद सह संयोजक बनाए गए सौरभ दास ने भाजपा नेता गौरव भाटिया का एक ऐसा बयान साझा कर दिया, जो असल में फर्जी था। इसके बाद भाटिया ने उन्हें तुरंत ट्वीट डिलीट करके माफी मांगने को कहा और ऐसा नहीं करन पर एफआईआर कराने की चेतावनी भी दे डाली। सौरभ दास ने अपनी गलती मान ट्वीट तो डिलीट कर दिया, लेकिन उन्होंने अपनी गलती के लिए माफी नहीं मांगी।

पोस्ट डिलीट किया, माफी नहीं मांगी- दरअसल, सौरव दास ने एक न्यूज क्लिप को साझा किया था जिसमें गौरव भाटिया का एक झूठा बयान एआई से एडिट करके प्रसारित किया गया था। इसमें भाटिया का फर्जी बयान लिखा गया था, स्वतंत्र भारद्वाज नामक युवा एक दिमागी नक्सली है उसके अंदर जातिवादी जहर भरा हुआ था। भाजपा सरकार से इसका कोई लेना देना नहीं है।

सुरक्षित हवा अभी दूर

26 साल की प्रदूषण से जंग में दिल्ली को थोड़ी राहत, पीएम 2.5 घटकर 97 माइक्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली की करीब ढाई दशक पुरानी लड़ाई ने हवा को कुछ राहत जरूर दी है, लेकिन मंजिल अभी दूर है। वर्ष 2000 में राष्ट्रीय राजधानी का वार्षिक औसत पीएम 2.5 लगभग 90.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था। अगले दशक में प्रदूषण लगातार बढ़ा और 2010 में करीब 126.9 माइक्रोग्राम तक पहुंच गया। इसके बाद उतार-चढ़ाव के बीच इसमें कमी आई और 2025 में वार्षिक औसत करीब 97 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया। यानी सबसे खराब दौर के मुकाबले सुधार हुआ है, लेकिन हवा अब भी राष्ट्रीय मानक (40 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर) से

करीब ढाई गुना प्रदूषित है।

हाल के पांच सालों के आंकड़े बताते हैं कि सुधार एक सीधी रेखा में नहीं हुआ। 2021 में पीएम 2.5 का औसत 105 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर था, जो 2022 में घटकर 98 हुआ। 2023 में यह फिर 100 और 2024 में 105 तक पहुंच गया। 2025 में इसमें गिरावट आई और स्तर 97 माइक्रोग्राम रहा। 2018 के बाद कोविड प्रभावित 2020 को छोड़कर यह सबसे कम वार्षिक औसत था।

26 साल की यह तस्वीर बताती है कि दिल्ली की हवा में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन प्रदूषण का संकट खत्म नहीं हुआ। पिछले पांच वर्षों में उठाए गए कदमों ने कुछ राहत दी है, खासकर 2025 के आंकड़ों में इसका संकेत मिलता है। मगर 97 माइक्रोग्राम का औसत भी यह साफ करता है कि दिल्ली को सुरक्षित हवा तक पहुंचने के लिए अभी लंबी दूरी तय करनी है।

पिछले पांच साल में बदला प्रदूषण से लड़ने का तरीका

इस अवधि में सबसे बड़ा संस्थागत बदलाव 2021 में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के गठन के रूप में हुआ। इसके साथ प्रदूषण नियंत्रण को सिर्फ दिल्ली की समस्या मानने के बजाय पूरे एनसीआर के स्तर पर देखने की कोशिश हुई। वाहनों, औद्योगिक इकाइयों, निर्माण एवं सड़क की धूल, कचरा और पराली जलाने जैसे स्रोतों पर अलग-अलग कार्रवाई के साथ साझा दिशा-निर्देश लागू किए गए। वाहनों से निकलने वाले धुएं को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, पुराने वाहनों पर सख्ती, सार्वजनिक परिवहन को स्वच्छ ईंधन की ओर ले जाने और एनसीआर में अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के प्रवेश पर चरणबद्ध पाबंदियों जैसे कदम उठाए गए।

न निजीकरण होगा, न महत्व घटेगा', निजी भागीदारी विवाद पर इसरो का स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने रविवार को एक स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि न तो इसका निजीकरण किया जाएगा और न ही इसका महत्व कम होगा। एक्स पर एक पोस्ट में, अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि निजी क्षेत्र की भागीदारी को भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की अगली पीढ़ी पर मजबूती से ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाती है, जबकि इंडस्ट्री परिपक्व तकनीकों और क्षमताओं को बड़े पैमाने पर विकसित करती है। यह घटनाक्रम तब हुआ 9 कर्मचारी संघों ने 4 सितंबर को अंतरिक्ष एजेंसी के चेयरमैन वी. नारायणन को पत्र लिखकर, इसके मैन्युफैक्चरिंग और ऑपरेशनल कामों को निजी संस्थाओं को सौंपने के प्रस्ताव पर आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा। वे 21 अगस्त को इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर के चेयरमैन पवन गोयनका द्वारा की गई टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे। पोस्ट में कहा कि उन क्षेत्रों में इसकी भूमिका धीरे-धीरे मजबूत होगी जहां इसकी वैज्ञानिक विशेषज्ञता सबसे ज्यादा मायने रखती है। फ्रंटियर ऋष्ठ, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम, डीप-स्पेस और ग्रहों के मिशन और रणनीतिक राष्ट्रीय क्षमताएं। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वह अत्याधुनिक तकनीकों का विकास जारी रखेगी, जिसमें संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के लिए एडवांस्ड पेलोड, सेंसर, प्रोपल्शन सिस्टम और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें शामिल हैं। सिस्टम को इंडस्ट्री के माध्यम से बड़े पैमाने पर तैयार किया जा सकता है। परिपक्व लॉन्च वाहनों, नियमित उपग्रहों और अन्य स्थापित सिस्टम का उत्पादन उचित प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से इंडस्ट्री या द्वारा किया जा सकता है।

नरेला की एक फैक्ट्री में युवती से दरिंदगी, दुष्कर्म का आरोपी बुजुर्ग ठेकेदार गिरफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। बाहरी दिल्ली में नरेला इलाके में स्थित एक फैक्ट्री में काम करने वाली 20 वर्षीय युवती से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने 66 वर्षीय लेबर कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार किया है। घटना करीब 5-6 दिन पुरानी है। वहीं, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में दो संदिग्धों की भूमिका खंगाली जा रही है। पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश की रहने वाली युवती करीब एक महीने से फैक्ट्री में काम कर रही थी और वहीं रह रही थी। आरोप है कि 1 सितंबर की रात करीब 11 बजे फैक्ट्री परिसर में उसके साथ दुष्कर्म किया गया। शिकायत के बाद पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किया और जांच शुरू की। वहीं, जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि फैक्ट्री में काम करने वाले एक व्यक्ति ने कथित घटना का वीडियो भी बनाया था। उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पुलिस वीडियो की जांच कर रही है और उसे बनाने वाले व्यक्ति की भूमिका भी पता लगा रही है। पुलिस ने पीड़िता की काउंसलिंग कराई है। जांच में सामने आए साक्ष्यों और बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि वारदात के समय फैक्ट्री में कौन-कौन लोग मौजूद थे। वहीं, छानबीन के दौरान युवती ने पुलिस को बताया कि उसे कोई नशीला पदार्थ खिलाया गया था। और जब वह बेहोश हो गई तब उसके साथ इस तरह की घिनौनी हरकत को अंजाम दिया गया।

क्लासरूम में बिछाए गए गद्दे

पीजी जाने से डर रहे छात्र, डीयू ने किया कॉलेजों में ही रुकने का इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन में इमारत गिरने की घटना के बाद पीजी में लौटने से डर रहे छात्रों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। साउथ कैंपस के कई कॉलेजों में जरूरतमंद छात्र-छात्राओं के ठहरने का इंतजाम किया गया है। यहां गद्दे और भोजन जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की तैयारी है। हादसे के बाद कई छात्र क्क्ष में वापस जाने को लेकर डरे हुए हैं और उनके सामने रहने की समस्या खड़ी हो गई है। ऐसे छात्रों की मदद के लिए डीयू ने साउथ कैंपस के कई कॉलेजों को अस्थायी ठहराव की व्यवस्था करने के लिए सक्रिय किया है। डीयू साउथ कैंपस की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी के मुताबिक, साउथ कैंपस क्षेत्र में करीब 25 कॉलेज हैं। सत्य निकेतन के आसपास छह-सात कॉलेज हैं, इसलिए इन्हें प्रभावित छात्रों की मदद के लिए तैयार किया गया है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, राम लाल आनंद कॉलेज, मैत्रेयी कॉलेज और जीसस एंड मैरी कॉलेज समेत कई कॉलेजों में छात्रों के रुकने की व्यवस्था की गई है। जरूरत पड़ने पर छात्र-छात्राएं कॉलेज के क्लासरूम में रात भी गुजार सकेंगे।

क्लासरूम में गद्दे बिछाए गए हैं। डीयू प्रशासन ने सभी संबंधित कॉलेजों से सत्य निकेतन हादसे से प्रभावित छात्रों की संख्या और जिन्हें तत्काल ठहरने की जरूरत है, उनकी जानकारी मांगी है। इसके आधार पर छात्रों को संबंधित कॉलेजों में जगह दी जाएगी। प्रो. रजनी अब्बी ने कहा कि फिलहाल छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रशासन उनकी हर संभव मदद कर रहा है। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. वी. रवि ने बताया कि कॉलेज अपने छात्रों के अलावा जरूरत पड़ने पर दूसरे संस्थानों की छात्राओं को भी ठहराने के लिए तैयार है।

बांग्लादेश में तेजी से फैल रहा डेंगू, अस्पतालों पर बढ़ा दबाव; इस साल 117 लोगों की मौत

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इस साल अब तक 42,590 लोग अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं और 117 लोगों की मौत हो चुकी है। सितंबर महीने में मामलों में आए अचानक उछाल ने अस्पतालों पर भारी दबाव डाल दिया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आशंका जताई है कि आने वाले हफ्तों में यह मच्छर जनित बीमारी और भी गंभीर रूप ले सकती है। बांग्लादेश की स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कम से कम 4 डेंगू मरीजों की मौत हुई है और 1,558 अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जो इस साल एक दिन में अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

डेंगू एक ऐसी बीमारी है जो बुखार, गंभीर सिरदर्द और जानलेवा जटिलताओं का कारण बन सकती है। हाल के हफ्तों में इसके मामलों में भारी वृद्धि हुई है, जिसने 2023 में बांग्लादेश में आए अब तक के सबसे घातक डेंगू प्रकोप की चिंताएं फिर से पैदा कर दी हैं।

यह नया संकट ऐसे समय में आया है जब देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से ही खसरे के राष्ट्रव्यापी प्रकोप से जूझ रही है। इस साल खसरे के कारण लगभग 1,000 बच्चों की मौत हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी दबाव है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सितंबर का महीना अगस्त से भी ज्यादा खतरनाक साबित

हो सकता है। गौरतलब है कि इस साल अगस्त में ही डेंगू के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे।

जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के चिकित्सा कीटविज्ञानी प्रोफेसर कबीरुल बशर ने कहा कि यदि मौजूदा रुझान जारी रहा, तो इस महीने अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 30,000 के पार जा सकती है।

मौसम की स्थिति भी अक्टूबर तक संक्रमण को बढ़ावा देने वाली है। उन्होंने कहा कि अभी डेंगू अपने पीक पर नहीं पहुंचा है। अगर यही स्थिति रही तो सितंबर इस साल डेंगू संक्रमण का सबसे खराब महीना बन सकता है। अस्पतालों में बेड की भारी कमी मरीजों की बेतहाशा बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में बेड की भारी कमी हो गई है। 32 वर्षीय जाहिद हसन के लिए यह बीमारी तब एक व्यक्तिगत त्रासदी बन गई जब उनके चार साल के बेटे को तेज बुखार हुआ और उसे डेंगू होने की पुष्टि हुई। बच्चे की हालत बिगड़ने पर हसन उसे तीन सरकारी अस्पतालों में ले गए, लेकिन कहीं भी कोई बेड खाली नहीं मिला।

हसन ने बताया कि मैं बहुत डरा हुआ था। एक पिता के रूप में, यह देखना असहनीय था कि मेरे बच्चे की हालत बिगड़ रही है और मुझे नहीं पता था कि कहां भर्ती कराया जाए। बाद में एक रिश्तेदार की मदद से उन्हें एक निजी अस्पताल में बेड मिला।

बच्चे को 7 बैग खून और प्लाज्मा चढ़ाया गया, तब जाकर उसे छुट्टी मिली। हसन ने कहा कि वे दिन हमारे लिए एक बुरे सपने की तरह थे। उनका बेटा अभी भी काफी कमजोर है और धीरे-धीरे ठीक हो रहा है। ढाका में डेंगू मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टर, प्रोफेसर तारेक आलम ने बताया कि डेंगू के मरीजों की हालत बुखार उतरने के बाद तेजी से बिगड़ सकती है। इस दौरान प्लाज्मा का रिसाव, ब्लड प्रेशर कम होना, शॉक और गंभीर ब्लीडिंग जैसी जटिलताएं पैदा हो सकती हैं।

समुद्र से न्यूक्लियर फ्यूल निकालने के लिए चीन ने बनाया केमिकल ट्रैप, अमेरिका भी रह गया हैरान

बीजिंग, एजेंसी। महासागरों को भविष्य के न्यूक्लियर फ्यूल के एक असीमित स्रोत के रूप में इस्तेमाल करने की वैश्विक कोशिशों में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, चीनी शोधकर्ताओं ने एक ऐसा अभूतपूर्व मटीरियल विकसित किया है।

जो समुद्र के पानी से यूरेनियम निकालने में अमेरिकी ऊर्जा विभाग द्वारा तय किए गए लक्ष्य से आठ गुना अधिक तेजी से काम करता है। यह तकनीक ऊर्जा आयात पर निर्भर देशों के लिए भविष्य में एक गेम-चेंजर साबित हो सकती है।

चिंगदाओ स्थित चाइनीज एकेडमी ऑफ साइंसेज की टीम ने प्राकृतिक समुद्री पानी के सैंपल का इस्तेमाल करते हुए इस नए मटीरियल का परीक्षण किया। इस परीक्षण में उन्होंने प्रति ग्राम मटीरियल से 50.4एमजी तक यूरेनियम निकालने में सफलता प्राप्त की, जो कि अमेरिका द्वारा स्थापित 6एमजी प्रति ग्राम के पिछले बेंचमार्क से कहीं अधिक है। शोधकर्ताओं ने इस नए मटीरियल को नाम दिया है। इसकी आणविक संरचना

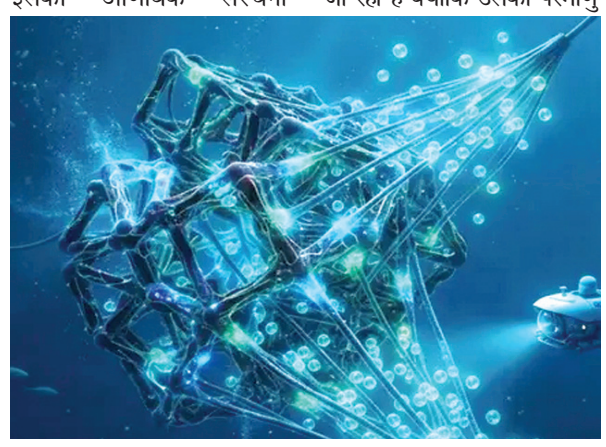

बिल्कुल एक स्पंज जैसी है, जिसमें फॉस्फेट ग्रुप मौजूद होते हैं। ये फॉस्फेट ग्रुप रासायनिक रूप से यूरेनियम को मजबूती से जकड़ लेते हैं। बाद में इसे मिलीमीटर आकार की छोटी गोलियों में बदल दिया गया ताकि इसका रखरखाव और इस्तेमाल आसान हो सके। इन बीड्स ने प्रति ग्राम 22.55एमजी यूरेनियम निकाला और इन्हें सात बार दोबारा इस्तेमाल करने पर भी इनकी क्षमता में कोई कमी नहीं आई। यह तकनीक विशेष रूप से चीन के लिए बहुत अहम मानी जा रही है क्योंकि उसका परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम बहुत तेजी से विस्तार कर रहा है, जबकि उसका घरेलू यूरेनियम उत्पादन मांग के मुकाबले काफी कम है। वर्ल्ड न्यूक्लियर एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में चीन ने अपनी खदानों से लगभग 1,600 टन यूरेनियम का उत्पादन किया था, जबकि उसके रिएक्टरों को लगभग 13,000 टन ईंधन की जरूरत थी। इस भारी अंतर के कारण चीन को यूरेनियम के आयात पर अत्यधिक निर्भर रहना पड़ता है।

दुनिया के नक्शे पर भारत के वोट से तिलमिलाया पाकिस्तान: कश्मीर पर फिर अलापा पुराना राग

इस्लामाबाद, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में दुनिया के नक्शे को लेकर आए एक प्रस्ताव पर भारत के समर्थन के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच बयानबाजी फिर तेज हो गई है। भारत ने 4 सितंबर को अपनाए गए प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया था। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इस वोट का मकसद केवल दुनिया के नक्शों में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने के सिद्धांत का समर्थन करना था। भारत ने यह भी साफ किया कि प्रस्ताव का जम्मू-कश्मीर, लद्दाख या किसी अंतरराष्ट्रीय सीमा के राजनीतिक दर्जे से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बावजूद अगले ही दिन पाकिस्तान ने भारत के रुख को निशाना बनाया और जम्मू-कश्मीर पर अपने पुराने दावे दोहरा दिए। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 4 सितंबर को दुनिया के नक्शे में महाद्वीपों के आकार को ज्यादा सही तरीके से दिखाने से जुड़ा प्रस्ताव अपनाया। इसका उद्देश्य ऐसे नक्शों के इस्तेमाल को बढ़ावा देना है, जिनमें अलग-अलग महाद्वीपों का क्षेत्रफल वास्तविक आकार के अनुपात में ज्यादा सही नजर आए। भारत ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने

अपने वोट की व्याख्या में समान क्षेत्रफल वाले नक्शों के सिद्धांत को समर्थन देने की बात रखी। यानी भारत का वोट किसी राजनीतिक सीमा या विवादित क्षेत्र के समर्थन में नहीं था। भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का प्रस्ताव किसी खास विश्व नक्शे को मंजूरी नहीं देता। न ही यह किसी खास नक्शा बनाने की पद्धति या राष्ट्रीय सीमाओं के चित्रण को मान्यता देता है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि प्रस्ताव में अंतरराष्ट्रीय सीमाओं, विवादित क्षेत्रों या स्थानों के नाम से जुड़े राजनीतिक नक्शों पर कोई फैसला नहीं किया गया है। भारत ने साथ ही अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को लेकर रुख को स्पष्ट, लगातार एक जैसा और गैर-परक्राम्य बताया। ऐसे में भारत के अनुसार इस प्रस्ताव को जम्मू-कश्मीर के दर्जे से जोड़ना सही नहीं है। भारत के स्पष्टीकरण के एक दिन बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने भारत के दावे को खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की स्थिति को लेकर भारत के रुख को बेबुनियाद बताया। उसने कहा कि भारत की कथित एकतरफा कार्रवाई और जम्मू-कश्मीर पर उसका नियंत्रण क्षेत्र की स्थिति को नहीं बदल सकता। पाकिस्तान ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एजेंडे में लंबे समय से लंबित विवाद बताया और इस मुद्दे पर अपने पुराने रुख को दोहराया। पाकिस्तान के बयान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का हवाला देते हुए कहा गया कि जम्मू-कश्मीर का अंतिम फैसला वहां के लोगों की इच्छा के आधार पर होना चाहिए।

होर्मुज पूरी तरह बंद हैः रजाई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसिन रजाई ने होर्मुज जलडमरूमध्य की मौजूदा स्थिति को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को सीधे खारिज किया है। ईरानी सरकारी प्रसारक आईआरआईबी से बातचीत में रजाई ने कहा कि होर्मुज पूरी तरह बंद है और ट्रंप का यह कहना कि जलडमरूमध्य खुला है, 'बहुत बड़ा झूठ' है। उनके मुताबिक जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही बेहद सीमित रह गई है। रजाई ने यह भी कहा कि अमेरिका अगर ईरान को धमकी देना या उस पर हमला करना बंद कर देता है, तो ईरान होर्मुज को खुला रखने के लिए तैयार होगा। रजाई ने कहा कि होर्मुज बंद किए जाने से पहले इस रास्ते से 100 से ज्यादा जहाज गुजरते थे। इन जहाजों के जरिये 10 करोड़ टन से ज्यादा सामान का परिवहन होता था। अब उनके दावे के मुताबिक केवल सात से आठ जहाज ही इस क्षेत्र से गुजर रहे हैं और इनमें ईरान की जरूरी वस्तुएं ले जाने वाले जहाज शामिल हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिका से जुड़े कुछ जहाज चोरी-छिपे इस क्षेत्र से गुजरने की कोशिश करते हैं, जिन्हें ईरानी बल पहचानकर निशाना बनाते हैं। रजाई के अनुसार अमेरिका पांच से छह जहाजों को इस क्षेत्र से निकालने की कोशिश करता है और इन पर हमला किया जाता है। रजाई ने कहा कि आने वाले दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर एक नया प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया जाएगा। उनके मुताबिक यह क्षेत्र उस जगह से शुरू होगा, जिसे ईरान अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी की रेखा बता रहा है और यह फारस की खाड़ी के कुछ हिस्सों तक फैलेगा। ईरान ने साफ चेतावनी दी है कि नए घोषित क्षेत्र में प्रवेश करने वाले किसी भी जहाज को प्रतिबंधों की सूची में डाल दिया जाएगा।

संपादकीय

केदारनाथ से नेपाल तक सबक

नेपाल में पिछले दिनों आई भयंकर बाढ़ की त्रासदी ने उस चेतावनी को और भी गंभीर एवं संवेदनशील बना दिया है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जूझ रहे हिमालय में ऐसे खतरे पल रहे हैं, जो कभी भी विनाशकारी रूप ले सकते हैं। इस जोखिम की जद में कई देश हैं, जिनमें भारत भी शामिल है। हिमालय मनुष्य के लिए प्राकृतिक संपदा का महत्त्वपूर्ण आधार है। यहां से निकलने वाली नदियां पठारी और मैदानी इलाकों को सींचती हैं तथा पेयजल एवं ऊर्जा जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा करती हैं। मगर बढ़ते वैश्विक ताप की वजह से हिमालयी हिमनद अब तेजी से पिघल रहे हैं, जिस कारण उनके आसपास बनने वाली झीलों का आकार और संख्या भी बढ़ रही है। पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में स्थित सिक्किम में हाल में ऐसी चालीस झीलों की पहचान की गई है, जिनमें से सोलह को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश के मंडी में स्थित आइआइटी के शोधकर्ताओं ने राज्य में नौ हिमनद झीलों को चिह्नित किया है, जिनका आकार तेजी से बढ़ रहा है। ये झीलें देखने में शांत और सुंदर लगती हैं, लेकिन इनमें जमा हो रहा पानी कभी भी तटबंध तोड़कर भारी तबाही मचा सकता है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि हिमालय से सटे भारत के पहाड़ी राज्य इस तरह की संभावित आपदा से निपटने के लिए कितने तैयार हैं? उपग्रह से मिलने वाली तस्वीरों और हवाई सर्वेक्षण के जरिए हिमनद झीलों की स्थिति की निगरानी की जा सकती है, लेकिन क्या यह कार्य नियमित रूप से हो पा रहा है? इसका अंदाजा वर्ष 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ में आई प्रलयंकारी बाढ़ की विभीषिका से लगाया जा सकता है। यह बाढ़ चोटी पर स्थित एक झील के

फटने से आई थी। सरकारी तंत्र इस खतरे का समय रहते पता लगाने और इससे होने वाले नुकसान को कम करने में नाकाम रहा। जाहिर है कि इस तरह के खतरों की नियमित निगरानी के साथ पूर्व चेतावनी प्रणालियों को भी स्टीक एवं मजबूत बनाने की जरूरत है। मौजूदा पूर्व-चेतावनी प्रणालियों को कुछ खास खतरों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जिनमें नेपाल में हिमनद और चट्टानों के खिसकने से आई बाढ़ के जैसे प्राकृतिक पहलू शामिल नहीं हैं। ऐसी स्थिति में शोधकर्ताओं की स्पष्ट चेतावनी है कि अगर हिमालयी राज्यों में चिह्नित हिमनद झीलों को रोकने वाली प्राकृतिक बाधाएं टूटती हैं, तो ये 'पानी बम' की तरह तबाही मचा सकती हैं। चूंकि, हिमालय में पल रहा यह खतरा किसी एक देश की सीमा में नहीं बंधा है, इसलिए क्षेत्रीय पूर्व-चेतावनी प्रणाली को राष्ट्रीय और सीमा-पार निगरानी से जोड़ने की नितांत आवश्यकता है, ताकि इसकी जानकारी समय रहते उन लोगों तक पहुंचाई जा सके, जो सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। इसके लिए आधुनिक तकनीक के साथ-साथ संस्थागत बदलावों और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की भी जरूरत है। आपदा चेतावनी तंत्र को सीमाओं के बंधन से परे एक साझा मानवीय व्यवस्था के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। इसके अलावा, हिमनद झीलों से बढ़ता खतरा हमें प्रकृति के साथ संतुलित विकास का संदेश भी देता है। हिमालय को केवल सड़क, बांध और पर्यटन के अवसर के रूप में देखने के बजाय एक संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र के तौर पर समझना होगा। समय रहते सावधानी बरती जाए, तो हिमनद झीलों को निश्चित रूप से बड़े विनाश का कारण बनने से रोका जा सकता है।

अंतरिक्ष विज्ञान में नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ता भारत

राजनीतिक बदलावों के बावजूद अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बनी नीतिगत निरंतरता ने इसरो को दुनिया की विश्वसनीय एजंसियों में स्थापित किया है। मगर सफलता का उत्सव भविष्य की चुनौतियों को ढक नहीं सकता। वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा तेजी से बदल रही है। इसमें केवल पुरानी उपलब्धियों के भरोसे आगे बढ़ना संभव नहीं। अंतरिक्ष में हासिल की गई कोई भी सफलता विज्ञान की उपलब्धि होने के साथ-साथ एक राष्ट्र की दूरदृष्टि, संस्थागत क्षमता और भविष्य को लेकर उसके आत्मविश्वास को भी परिलक्षित करती है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा ईओएस-5 का सफल प्रक्षेपण इसी अर्थ में खास है। भू-तुल्यकालिक कक्षा में स्थापित होने वाले देश के पहले 'इमेजिंग' उपग्रह की सफलता ने फिर यह साबित किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान में केवल अपनी उपस्थिति दर्ज कराने वाला देश नहीं, बल्कि नई क्षमताओं के साथ आगे बढ़ने वाली शक्ति बन रहा है। यह उपलब्धि महज एक उपग्रह को अंतरिक्ष में पहुंचाने तक सीमित नहीं है। यह मौसम पूर्वानुमान, प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी, कृषि नियोजन, पर्यावरण संरक्षण, समुद्री गतिविधियों और राष्ट्रीय सुरक्षा तक के मामले में व्यापक स्तर पर उपयोगी साबित होगी। अंतरिक्ष विज्ञान का संबंध अब नागरिक जीवन, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ चुका है। इसलिए ईओएस-5 की सफलता को भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। सीमित संसाधनों के बावजूद इसरो के वैज्ञानिकों ने अनुशासन, धैर्य और नवाचार के बल पर जो विश्वसनीयता पाई है, वह हमारी अमूल्य राष्ट्रीय पूंजी है। राजनीतिक बदलावों के बावजूद अंतरिक्ष कार्यक्रमों में बनी नीतिगत निरंतरता ने इसरो को दुनिया की विश्वसनीय एजंसियों में स्थापित किया है। मगर सफलता का उत्सव भविष्य की चुनौतियों को ढक नहीं सकता। वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा तेजी से बदल रही है। इसमें केवल पुरानी उपलब्धियों के भरोसे आगे बढ़ना संभव नहीं।

आज का कार्टून

बदलते मौसम चक्र में राहत की उम्मीद

जेट धाराएं ऊपरी वायुमंडल में पश्चिम से पूर्व की ओर बहने वाली तेज और संकरी वायु धाराएं हैं। सामान्यत- ये लगभग 20,000 से 50,000 फुट की ऊंचाई पर पाई जाती हैं और इनकी गति 120 से 240 किलोमीटर प्रति घंटा या उससे अधिक हो सकती है। ध्रुवीय ठंडी हवा और विषुवतीय गर्म हवा के बीच तापमान तथा वायुदाब में अंतर इनके निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। पृथ्वी के घूर्णन के कारण इन हवाओं की दिशा पश्चिम से पूर्व की ओर मुड़ जाती है। जेट धाराएं ठंडी और गर्म वायु राशियों को अलग रखने के साथ-साथ मौसम प्रणालियों, तूफानों और चक्रवातों के निर्माण को भी प्रभावित करती हैं।

अब सबसे अहम प्रश्न यह है कि सक्रिय अटलांटिक नीना आने वाले समय में क्या प्रभाव डाल सकती है। समुद्र की सतह के तापमान में गिरावट से विकसित यह जलवायु स्थिति प्रशांत महासागर में सक्रिय अल नीनो के प्रभाव को कुछ हद तक संतुलित कर सकती है।

प्रकृति ने अपने भीतर न जाने कितने ऐसे रहस्य छिपा रखे हैं, जिनकी परतें विज्ञान धीरे-धीरे खोल रहा है। जब भी कोई नई प्राकृतिक घटना सामने आती है, मनुष्य को अपने सीमित ज्ञान का एहसास होता है। भू-विज्ञान, मौसम विज्ञान और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ जानना, समझना और सीखना बाकी है। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच मौसम की अनिश्चितता ने वैज्ञानिकों की चिंता बढ़ाई है। ऐसे समय में जब अल नीनो के कारण कमजोर और अनियमित मानसून की आशंका जताई जा रही थी कि इसी बीच अटलांटिक नीना की सक्रियता ने कुछ राहत की उम्मीद जगाई।

अटलांटिक नीनो और नीना अपेक्षाकृत नई समझी जाने वाली जलवायु घटनाएं हैं। प्रारंभ में इनके अस्तित्व ने वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया था। इनके स्वरूप और प्रभावों का अध्ययन करने पर पता चला कि इनका संबंध वैश्विक जलवायु और बढ़ते तापमान से भी है। हालांकि इनके नाम प्रशांत महासागर में होने वाली 'अल-नीनो' और 'ला-नीना' से मिलते-जुलते हैं, लेकिन दोनों को एक ही मानना उचित नहीं है।

अटलांटिक नीनो और नीना भू-मध्यरेखीय अटलांटिक महासागर में होने वाली परस्पर विपरीत जलवायु घटनाएं हैं। अटलांटिक नीनो की स्थिति तब बनती है, जब भू-मध्यरेखीय अटलांटिक का समुद्री जल सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसके विपरीत, अटलांटिक नीना के दौरान समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से कम हो जाता है। अटलांटिक नीनो के समय पूर्वी हवाएं कमजोर पड़ती हैं, जबकि अटलांटिक नीना में ये हवाएं अपेक्षाकृत मजबूत हो जाती हैं। तेज हवाएं समुद्र की गहराई से ठंडे पानी को ऊपर लाने में मदद करती हैं। इन दोनों घटनाओं का वर्षा और मौसम पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

अटलांटिक नीनो उष्णकटिबंधीय अटलांटिक क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वर्षा बढ़ा सकता है। इसके विपरीत, अटलांटिक नीना की स्थिति में वर्षा का स्वरूप बदल जाता है। अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में कम वर्षा और गिनी की खाड़ी के आसपास अपेक्षाकृत अधिक वर्षा जैसी स्थितियों के पीछे समुद्री तापमान और वायुमंडलीय परिसंचरण में होने वाले बदलाव महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वैज्ञानिकों के लिए यह तथ्य विशेष रूप से अहम रहा कि वैश्विक ताप लगातार बढ़ने के बावजूद कभी-कभी अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत महासागर के भू-मध्यरेखीय क्षेत्रों में एक साथ ठंडक दिखाई देती है। ऐसी स्थिति का संबंध ला नीना और अटलांटिक नीना जैसी घटनाओं से हो सकता है। ये दोनों घटनाएं समुद्र और वायुमंडल के बीच होने वाली जटिल पारस्परिक क्रिया को समझने में महत्त्वपूर्ण संकेत देती हैं। जुलाई और अगस्त 2024 में उत्तरी अटलांटिक महासागर में लंबे समय से जारी असाधारण गर्मी के बीच भू-मध्यरेखीय अटलांटिक क्षेत्र में ठंडक दिखाई दी।

यह स्थिति इसलिए भी उल्लेखनीय थी, क्योंकि जून के प्रारंभ में समुद्र की सतह का तापमान काफी अधिक था। इसके बाद अटलांटिक नीना के विकसित होने के संकेत मिलने लगे। इसी अवधि में पूर्वी प्रशांत महासागर में भू-मध्यरेखा के निकट समुद्री जल भी ठंडा हो रहा था। प्रशांत क्षेत्र में ला नीना के विकसित होने की

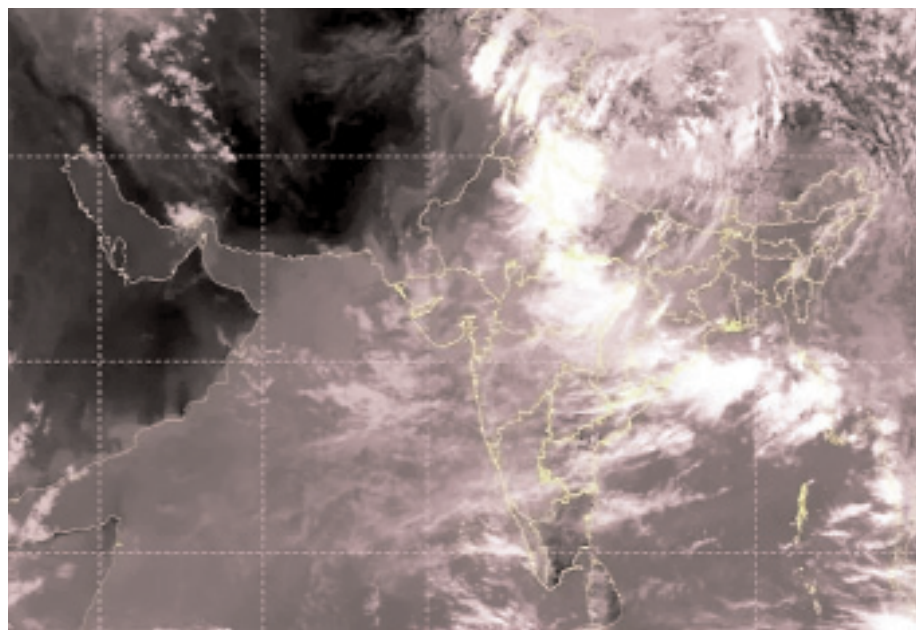

संभावना सामान्य तौर पर अक्तूबर या नवंबर के आसपास मानी जा रही थी, लेकिन इसके संकेत अपेक्षाकृत पहले दिखाई देने लगे।

इन घटनाओं को समझने के लिए वैज्ञानिक वायुमंडलीय परिसंचरण के कई संकेतकों का अध्ययन करते हैं। इनमें 'वेग विभव' भी महत्त्वपूर्ण है। इसके माध्यम से यह समझने में सहायता मिलती है कि बड़े क्षेत्र में वायु कहां ऊपर उठ रही है और कहां नीचे उतर रही है। नीचे उतरती वायु सामान्यत- वातावरण को स्थिर बनाती है। इससे बादलों का निर्माण और उष्णकटिबंधीय तूफानों की गतिविधि कम हो सकती है। इसके विपरीत, ऊपर उठती वायु अधिक बादल और वर्षा के साथ उष्णकटिबंधीय तूफानी गतिविधियों को बढ़ावा दे सकती है। समुद्र की सतह का तापमान और वायुमंडलीय दबाव इन प्रक्रियाओं से गहराई से जुड़े होते हैं।

पिछले चार दशकों के आंकड़ों का अध्ययन करने पर यह संकेत मिला है कि अटलांटिक नीना की सक्रियता के दौरान अपेक्षाकृत उच्च वायुदाब चक्रवातों की संख्या और उनके तट तक पहुंचने की संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। इसके विपरीत, अटलांटिक नीनो अफ्रीकी पूर्वी तरंग गतिविधि और निम्नस्तरीय चक्रवाती परिसंचरण को मजबूत करता है। ऐसी परिस्थितियां केप वर्डे द्वीपसमूह के आसपास गहरे उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में शक्तिशाली तूफानों के विकसित होने की संभावना बढ़ाती हैं। अटलांटिक नीना का प्रभाव केवल तत्काल मौसम तक सीमित नहीं रहता। पिछले चार दशकों के अध्ययन यह संकेत देते हैं कि गर्मियों में अटलांटिक की समुद्री स्थितियां आगे आने वाली सर्दियों के मौसम को भी प्रभावित कर सकती हैं। ग्रीष्मकालीन अटलांटिक नीनो के बाद कनाडा और उत्तरी संयुक्त राज्य अमेरिका के ऊपर निम्न वायुदाब की स्थिति बनने की संभावना देखी गई है। इससे ऊपरी वायुमंडल में बहने वाली जेट धाराओं की तीव्रता प्रभावित हो सकती है।

जेट धाराएं ऊपरी वायुमंडल में पश्चिम से पूर्व की ओर बहने वाली तेज और संकरी वायु धाराएं हैं। सामान्यत- ये लगभग 20,000 से 50,000 फुट की ऊंचाई पर पाई जाती हैं और इनकी गति 120 से 240 किलोमीटर प्रति घंटा या उससे अधिक हो सकती है। ध्रुवीय ठंडी हवा और विषुवतीय गर्म हवा के बीच तापमान तथा वायुदाब में अंतर इनके निर्माण में अहम भूमिका निभाता है। पृथ्वी के घूर्णन के कारण इन हवाओं की दिशा पश्चिम से पूर्व की ओर मुड़ जाती है। जेट धाराएं ठंडी और गर्म वायु राशियों को अलग रखने के साथ-साथ मौसम प्रणालियों, तूफानों और चक्रवातों के निर्माण को भी प्रभावित करती हैं।

अब सबसे अहम प्रश्न यह है कि सक्रिय अटलांटिक नीना आने वाले समय में क्या प्रभाव डाल सकती है। समुद्र की सतह के तापमान में गिरावट से विकसित यह जलवायु स्थिति प्रशांत महासागर में सक्रिय अल नीनो के प्रभाव को कुछ हद तक संतुलित कर सकती है। इसका सीधा अर्थ यह नहीं है कि मानसून निश्चित रूप से सामान्य या अत्यधिक अच्छा होगा, लेकिन ये परिस्थितियां कमजोर मानसून की आशंका को कुछ कम कर सकती हैं।

भारत समेत दुनिया के कई हिस्सों में वर्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा हो रही है, तो कहीं लंबे समय तक वर्षा का अभाव बना रहता है। ऐसे में अटलांटिक महासागर की गतिविधियों का अध्ययन और अधिक महत्त्वपूर्ण हो गया है। अटलांटिक नीना की सक्रियता यदि अपेक्षित रूप से प्रभावी रहती है, तो वह ला नीना के कारण उत्पन्न होने वाले कुछ प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकती है।

परिणामस्वरूप भारत में मानसून की सक्रियता बढ़ने और वर्षा में तेजी की संभावना बन सकती है। समुद्र का तापमान, वायुमंडलीय परिसंचरण, जेट धाराएं, वैश्विक तापमान और अन्य अनेक कारक मिलकर मानसून और तूफानों का स्वरूप तय करते हैं। इसलिए अटलांटिक नीना को मानसून के लिए एक सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। यदि इसकी सक्रियता बनी रहती है, तो अल नीनो के प्रभाव के बावजूद वर्षा की कमी कुछ हद तक पूरी होने की उम्मीद की जा सकती है।

'नक्सल' बनने की जिद पर उतरे पैर

समझाने की कोशिश करते हुए दिमाग बोला- 'अरे भाई, जरा सोचो तो सही। अगर तुम भी नक्सली हो गए, तो यह शरीर चलेगा कैसे? विकास की रफ्तार कौन पकड़ेगा?' पैर ने कहा- 'विकास? कौन सा विकास? वही विकास, जिसके नाम पर तुमने हमें हर जगह दौड़ाया, पर बदले में मिला क्या? सिर्फ छालों का दर्द और टूटी हुई चप्पलें? अब बहुत हो चुका। या तो हमें भी बराबरी का दर्जा दो, वरना आज से तुम्हारी यह लंबी-चौड़ी नीतियां यहीं धरी रह जाएंगी, क्योंकि हम एक कदम भी आगे नहीं बढ़ेंगे!' दिमाग पसीना-पसीना हो गया। उसे समझ आ गया कि कागजी बगावत और वैचारिक पाखंड की यह दुनिया अब सचमुच पैरों के छालों से टकराने लगी है।

राजेंद्र मोहन शर्मा

शरीर के हर अंग को आधुनिकता और तरक्की के इस दौर में 'नक्सल' नामक चमकते हुए गहने से नवाजा जा चुका था। हालात यह थे कि इंद्रसभा से लेकर धरती तले तक, मस्तिष्क यानी दिमाग तक को यह तमगा और मुकुट पहना दिया गया था। हर कोई अपनी वैचारिक और सामरिक श्रेष्ठता सिद्ध करने में जुटा था, लेकिन बेकसूर पग, यानी पैर पूरी तरह उपेक्षित, ज्यों के त्यों, उन्हीं घिसी-पिसी पुरानी चप्पलों और नंगे छालों से खुद को ढककर अपनी लाज बचाने की जुगत में लगे रहे। मगर आखिर कब तक सहते? इस आधुनिक युग में जहां शरीर के हर हिस्से को 'नक्सल' का कोई न कोई डिजाइनर गहना पहनाने की होड़ मची है, वहीं हमारे बेचारे पैर हमेशा की तरह उपेक्षित रहे। वे आज भी वही घिसी-पिसी चप्पलों और सीधे-सादे छालों के सहारे अपनी इज्जत बचाने की जुगत में लगे रहते हैं। भला कब तक वे बिना शिकायत के कोड़े खाते और लंबी दूरियां नापते रहते? एक दिन दोपहर की झपकी के दौरान सपनों में आकर पैरों ने सीधे-सीधे बगावत का झंडा उठा लिया। तल्ख तेवर में बोले- 'या तो हमें भी नक्सली घोषित करो, वर्ना हम हड़ताल पर चले!' सपने में भी ऐसी नौबत की उम्मीद कोई नहीं कर रहा था। पैरों को थोड़ा मनाया जाए, पुचकारा जाए, पर उससे पहले वे गायब हो चुके थे। हाथों ने बिस्तर की चादर से लेकर चारपाई के नीचे तक खूब टटोला, मगर सिवाय खालीपन के कुछ नहीं मिला। तभी कमरे के कोने से एक ठहाका गूंजा। पैरों की आवाज हवा में तैरते हुए आई- 'यह तो सिर्फ ट्रेलर है, पिक्चर अभी बाकी है!'

किसी तरह कलेजा मजबूत करके बंद आंखों से ही उससे पूछा गया- 'यारों, दुनिया तो शरीफ बनने की फरमाइश करती है, तुम्हें अचानक यह नक्सली बनने का भूत क्यों सवार हो गया?' पैर ने हंसते हुए कहा- 'भइया, शरीफ बनकर कौन-सा तमगा मिल गया? जिंदगी भर तुम्हारा खरा-खोटा ढोया, छाले पड़ गए, और मिला क्या? सिर्फ धूल-धक्कड़! आजकल चलन शरीफों का नहीं, विद्रोही होने का है। जब दिमाग और जुबान तक नक्सली हो चुके हैं, तो क्या हमारे पास भी थोड़ा-सा हक नहीं है?' यह धमकी नींद उड़ाने के लिए काफी थी। सुबह पैर अपनी जगह पर बिल्कुल सीधे और शांत रखे थे, लेकिन उनका तेवर कुछ बदला-बदला सा लग रहा था। साफ था कि अब थके-हारे पैरों को

थोड़ा लाड़-प्यार और सम्मान देना ही पड़ेगा, वरना एक दिन सचमुच चलना-फिरना दूभर कर देंगे! तभी पैरों ने उचक कर कहना जारी रखा- 'आखिर हम अभागे पैरों के भी कुछ छिपे हुए अरमान हैं, हमारे भी कुछ अपने दबे-कुचले सपने हैं। कब तक एड़ियां घिसते रहें और लंबी दूरी नापते रहें? किसी सभा सोसाइटी में हमारे सड़ेपन को देखते ही लोग नाक-भौं सिकोड़कर नाक पर रुमाल चढ़ा लेते हैं, कितना अपमान सहते हैं? कई बार तो उपेक्षा और दुत्कार के बीच हम एक जोड़ी टूटी चप्पल तक के लिए तरस जाते हैं। आजकल इज्जत शरीफों की नहीं, उन्हीं की होती है जो नक्सल हैं।' यह समझ में आना चाहिए कि दिमागी नक्सलवाद की गाड़ी अब इन थके-हारे पैरों के सहारे ज्यादा दूर तक नहीं चल सकती। अगर इन्हें समय रहते सम्मान नहीं मिला, तो एक दिन पूरा शरीर धराशायी हो जाएगा। यह सोचना खास लगता है कि क्या सचमुच हमारे सारे अंग अपने हक के लिए खड़े हो गए हैं? क्या वे दिन अब दूर नहीं, जब हर आम आदमी का चलना-फिरना भी बगावत माना जाएगा? पैर अपनी जिद पर अड़े हों और पैरों का मालिक सोचे कि इस पैदली नक्सलवाद से कैसे बचा जाए। तभी शरीर के शेष अंग भी आपस में उलझ पड़ें और दिमाग ऊंचे सिंहासन पर लेटे-लेटे, झुंझलाते हुए बोले- 'अरे ओ पैरों! क्या बगावत-बगावत का शोर मचा रखा है? भूल गए क्या कि इस पूरे शरीर के हुक्मरान हम हैं? तुम्हारी हैसियत ही क्या है हमारे फैसलों के बिना?' इसके बाद पैर नीचे जमीन पर डटे हुए, तल्ख तेवर में बोले- 'हुक्मरान? वाह! मजे की बात है। हुकूमत तुम्हारी चलती है, और कोड़े हमारी पिंडलियों पर तथा छाले हमारे तलुओं पर पड़ते हैं। कब तक तुम्हारी सनक और अहंकार का बोझ ढोते रहेंगे? आज हम ही घोषणा करते हैं कि हमें भी तुम्हारी तरह का तमगा चाहिए।' दिमाग हैरान होकर उठ बैठा और बोला- 'अरे नासमझो! वह तो हमने आधुनिकता की दौड़ में टिके रहने के लिए, टीवी बहसों में भारी-भरकम शब्द बोलने के लिए और खुद को क्रांतिकारी दिखाने के लिए पहन रखा है। वह सिर्फ कहने की बात है, हकीकत में थोड़े ही कुछ है!' पैर ने ठहाका मारकर कहा- 'बस! यहीं तो तुम्हारा पाखंड पकड़ा गया। जब भाषणों में, बयानों में और तुम्हारी इस वातानुकूलित कुर्सी पर बैठकर नक्सली होना फैशन है, तो हम जमीन पर घिस-घिसकर क्यों सिर्फ 'मजदूर' बने रहें?' समझाने की कोशिश करते हुए दिमाग बोला- 'अरे भाई, जरा सोचो तो सही। अगर तुम भी नक्सली हो गए, तो यह शरीर चलेगा कैसे? विकास की रफ्तार कौन पकड़ेगा?' पैर ने कहा- 'विकास? कौन सा विकास? वही विकास, जिसके नाम पर तुमने हमें हर जगह दौड़ाया, पर बदले में मिला क्या? सिर्फ छालों का दर्द और टूटी हुई चप्पलें? अब बहुत हो चुका। या तो हमें भी बराबरी का दर्जा दो, वरना आज से तुम्हारी यह लंबी-चौड़ी नीतियां यहीं धरी रह जाएंगी, क्योंकि हम एक कदम भी आगे नहीं बढ़ेंगे!'

टी20 में अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा है टीम इंडिया का रिकॉर्ड?

● 2024 में दो सुपर ओवर से निकला था नतीजा

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा भारी माना जा रहा है, लेकिन अफगानिस्तान का रिकॉर्ड भी पिछले कुछ समय में इस फॉर्मेट में कमाल का रहा है। हालांकि, टी20 इंटरनेशनल में भारत का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के खिलाफ अब तक कमाल का रहा है। दोनों देशों के बीच अब तक कुल 9 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें से 8 मैचों में भारतीय टीम ने जीत दर्ज की है। वहीं, एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। यानी अफगानिस्तान को क्रिकेट के सबसे

छोटे फॉर्मेट में भारत के खिलाफ अब तक जीत नसीब नहीं हो सकी है। साल 2024 में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेला गया टी20 इंटरनेशनल मुकाबला टाई जरूर रहा था। इस मैच का नतीजा दो सुपर ओवर खेले जाने के बाद निकला था, जहां टीम इंडिया आखिर में बाजी मारने में सफल रही थी। टी20 में भारत और अफगानिस्तान की आखिरी भिड़ंत विश्व कप 2024 में हुई थी, जहां भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की थी।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है।

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में इन भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली । भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 13 सितंबर से होने जा रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम इस सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। आइए आपको उन भारतीय खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी।

वैभव सूर्यवंशी: इंग्लैंड और फिर जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा रहे वैभव को अफगानिस्तान के खिलाफ भी मौका दिया गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज के प्रदर्शन पर इस सीरीज में खासतौर पर निगाहें होंगी। वैभव अफगानिस्तान के स्पिनर्स के खिलाफ किस अप्रोच से खेलते हैं यह देखना दिलचस्प होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी टी20 में वैभव ने 81 रनों की दमदार पारी खेली थी। वह दलीप ट्रॉफी में भी अच्छी फॉर्म में नजर आए हैं।

जसप्रीत बुमराह: अफगानिस्तान के खिलाफ ब्रेक के बाद टीम में वापसी कर रहे जसप्रीत बुमराह के प्रदर्शन पर हर किसी की नजरें रहेंगी। बुमराह ने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मुकाबला मार्च में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। बुमराह अगर अपनी लय में नजर आए, तो वो अफगानिस्तान के बल्लेबाजों के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो सकते हैं।

संजू सैमसन: इंग्लैंड के खिलाफ फ्लॉप शो के बाद संजू सैमसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ हुई टी20 सीरीज में टीम में जगह नहीं दी गई है। ऐसे में संजू के ऊपर इस सीरीज में खुद को फिर से साबित करने का दबाव होगा। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज में सैमसन सिर्फ 5 रन ही बना सके थे। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ वह दो मुकाबलों में 28 रन ही बना सके थे।

रवि बिश्नोई: जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल सीरीज में रवि बिश्नोई का प्रदर्शन दमदार रहा था। विकेट चटकाने के साथ-साथ बिश्नोई काफी किफायती भी रहे थे। ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर बिश्नोई के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। बिश्नोई इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करके भारत की टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे।

नीतीश कुमार रेड्डी: अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी के पास खुद को बतौर ऑलराउंडर साबित करने का बढ़िया मौका होगा। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि नीतीश इंजरी से लौटने के बाद अफगानिस्तान के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं।

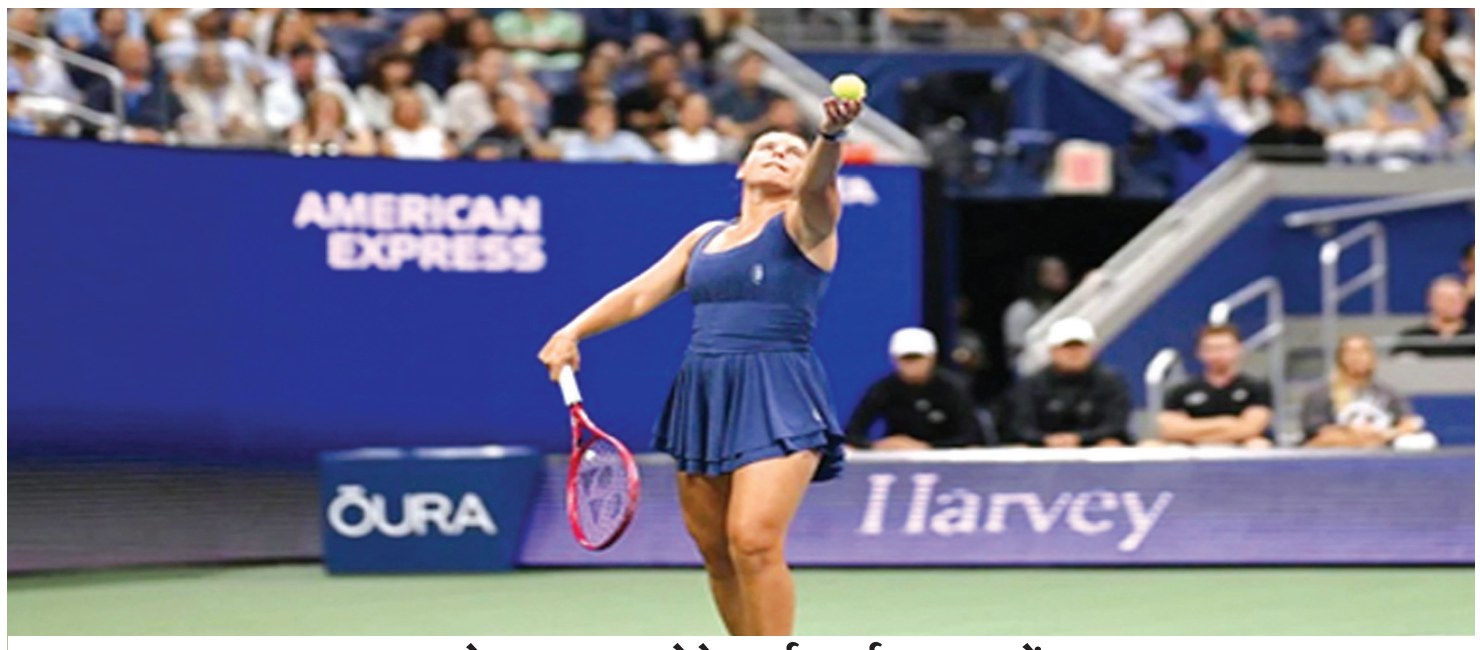

यूएस ओपनः एम्मा नवारो ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

कलिनस्काया को सीधे सेटों में दी मात

न्यूयॉर्क । अमेरिका की एम्मा नवारो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए चौथे दौर के मुकाबले में एना कलिनस्काया को सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। नवारो ने मैच की शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा और कलिनस्काया को वापसी का ज्यादा मौका नहीं दिया। पहले सेट को 6-4 से जीतने के बाद उन्होंने दूसरे सेट में और आक्रामक खेल दिखाया और 6-2 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। 25वीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। अब वह फ्लशिंग मीडोज में 2024 वाले अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगी, जब वह पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। नवारो ने पहला सेट जीतने के बाद पूरे आत्मविश्वास के साथ खेल दिखाया। दूसरे सेट में उन्होंने 5-1 की बड़ी बढ़त बनाई। एना कलिनस्काया ने एक बार सर्विस ब्रेक लेकर वापसी की कोशिश की, लेकिन वह मैच का रुख नहीं बदल सकीं। इसके बाद नवारो ने आठवें गेम में फिर से कलिनस्काया की सर्विस तोड़ी और सिर्फ 1 घंटा 21 मिनट में 6-4, 6-2 से मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल कर लिया। खास बात यह रही कि कलिनस्काया इससे पहले नवारो के खिलाफ दोनों मुकाबले जीत चुकी थीं, लेकिन इस बार अमेरिकी खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हिसाब बराबर कर दिया। यह नवारो के करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल है। इससे पहले वह विंबलडन 2024, यूएस ओपन 2024 और ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुकी हैं।

इस जीत के बाद एम्मा नवारो का अगला मुकाबला उनकी हमवतन खिलाड़ी और तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा। पेगुला का रिकॉर्ड नवारो के खिलाफ काफी मजबूत रहा है। दोनों के बीच अब तक चार मैच हुए हैं और पेगुला ने सभी में जीत हासिल की है। दोनों की सबसे हालिया भिड़ंत पिछले महीने सिनसिनाटी टूर्नामेंट में हुई थी, जहां पेगुला ने नवारो को 7-5, 6-2 से हराया था। ऐसे में

सितसिपास को हराकर शेल्टन ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

न्यूयॉर्क । अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन शानदार फॉर्म में हैं और उनका यूएस ओपन अभियान सही समय पर रफ्तार पकड़ चुका है। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन ने चौथे दौर के मुकाबले में ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। शेल्टन ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और सितसिपास को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी और तीनों सेट आसानी से जीते। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन का सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। बेन शेल्टन के लिए यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल तक का सफर बिल्कुल आसान नहीं रहा। टूर्नामेंट के शुरुआती तीन मैचों में उन्हें कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। टैलन ग्रीकस्पूर, ह्यूबर्ट हरकाज और डेनिस शापोवालोव के खिलाफ उन्हें जीत के लिए चार-चार सेट खेलने पड़े। हालांकि, चौथे दौर में शेल्टन ने अपना सबसे बेहतरीन खेल दिखाया। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने स्टेफानोस सिटसिपास को कोई मौका नहीं दिया और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। शेल्टन ने सिर्फ 1 घंटा 51 मिनट में जीत हासिल की। बेन शेल्टन ने यूएस ओपन में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह अपने करियर में छठी बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। वहीं, यूएस ओपन में यह दूसरी बार है जब उन्होंने अंतिम आठ में जगह बनाई है। शेल्टन ने 2023 में भी यूएस ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था। उस समय वह टूर्नामेंट में सिर्फ दूसरी बार खेल रहे थे, लेकिन सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रहे थे। हाल के महीनों में भी शेल्टन का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। विंबलडन के बाद शुरू हुए नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट सीजन में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 12-2 का रहा है, जो उनकी शानदार फॉर्म को दिखाता है। इसी दौरान उन्होंने मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब भी जीता। इसके अलावा, शेल्टन लगातार मजबूत खिलाड़ियों को हराते हुए आगे बढ़ रहे हैं। स्टेफानोस सितसिपास को हराने से पहले भी उन्होंने ऐसे खिलाड़ियों को मात दी, जो कभी एटीपी रैंकिंग के टॉप-10 में रह चुके हैं। स्टेफानोस सिटसिपास भी इस मुकाबले में अच्छे आत्मविश्वास के साथ उतरे थे। उन्होंने यूएस ओपन में मजबूत खिलाड़ियों को हराकर चौथे दौर तक का सफर तय किया था।

दलीप ट्रॉफी

ईशान किशन ने रचा इतिहास

250 रनों की यादगार पारी खेलकर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी

चेन्नई । दलीप ट्रॉफी 2026 का फाइनल मुकाबला ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई के एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। खिताबी मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 250 रनों की यादगार पारी खेलकर इतिहास रच दिया है। ईशान ने अपना दोहरा शतक 270 गेंदों में पूरा किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम लौटने से पहले 301 गेंदों

का सामना करते हुए 250 रनों की लाजवाब पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान ईस्ट जोन के कप्तान ने 27 चौके लगाए, जबकि 7 छक्के उनके बल्ले से निकले। ईशान अरुण लाल और सबा करीम के बाद ईस्ट जोन की तरफ से दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने। हालांकि, ईशान दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में शतक लगाने वाले ईस्ट जोन के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। ईशान से पहले खिताबी मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड ऋद्धिमान साहा के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2012 के फाइनल में 170 रन बनाए थे। ईशान ओवरऑल दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में 200 या उससे ज्यादा रनों की पारी खेलने वाले सातवें बल्लेबाज बन हैं।

इसके साथ ही बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज वह दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज भी बने हैं।

मोहम्मद शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद मत करो

● पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच ने सेलेक्टर्स और हेड कोच से लगाई गुहार

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व बॉलिंग कोच भरत अरुण ने चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर से मोहम्मद शमी के लिए भारतीय टीम के दरवाजे खुले रखने की अपील की है। अरुण का कहना है कि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद सेलेक्टर्स ने इस अनुभवी तेज गेंदबाज को बहुत जल्दी नजरअंदाज कर दिया। शमी ने में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल के बाद से टीम इंडिया के लिए कोई मैच नहीं खेला है। जहां प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और गुरनूर बरार जैसे युवा तेज गेंदबाज सभी प्रारूप में जगह बनाने के लिए होड़ में हैं वहीं शमी घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट में लगातार प्रभावित कर रहे हैं और अभी अपना 100वां फर्स्ट-क्लास मैच खेल रहे हैं।

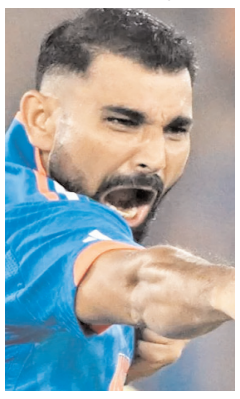

शमी के लिए टीम के दरवाजे बंद नहीं करनी चाहिए

भरत अरुण ने नेशनल टीम में मोहम्मद शमी की वापसी का समर्थन किया है। 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करते हुए अरुण ने कहा कि जब तक शमी अच्छा प्रदर्शन करते रहते हैं तब तक उम्र उनके सिलेक्शन में रुकावट नहीं बननी चाहिए। अरुण ने कहा कि उन्हें शमी के लिए दरवाजे बंद नहीं करने चाहिए थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता चीन मास्टर्स खिताब

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार पुरुष युगल जोड़ी ने रविवार (6 सितंबर) को शानदार वापसी करते हुए तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में चीन के हे जी टिंग और रेन शियांग यू की जोड़ी को हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 का खिताब अपने नाम कर लिया। वर्ष 2023 और 2025 के चरणों में उपविजेता रहे सात्विक और चिराग की जोड़ी यहां अपना तीसरा फाइनल खेल रही थी। इस भारतीय जोड़ी ने एक घंटे 10 मिनट तक चले मुकाबले में हे और रेन की दुनिया की पूर्व चौथे नंबर की जोड़ी को 11-21, 21-13, 21-17 से शिकस्त दी। सात्विक ने क्या कहा करियर की 10वीं बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर जीत दर्ज करने के बाद सात्विक ने कहा, 'यहां खेलना हमेशा अच्छा रहा है।

आज हमारी रणनीति काम कर गई

सात्विक ने कहा, 'इस बार भी हम चोट से वापसी के बाद यहां आए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह टूर्नामेंट हमारे लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला रहा है। मुझे लगता है कि इस पूरे सप्ताह की कहानी भी कुछ ऐसी ही रही। पहले दौर को छोड़ दें तो हमने लगभग हर मुकाबला तीन गेम में खेला है। हम यहां आने से पहले ही अपनी रणनीति तैयार करके आए थे। हम उसे लागू करना चाहते थे। अगर वह काम करता तो बहुत अच्छा और अगर नहीं करता तो हम वापस जाकर फिर से उस पर काम करते। मुझे लगता है कि आज हमारी रणनीति काम कर गई। हमने आखिरकार उस सिलसिले को तोड़ दिया और 2026 में अपना दूसरा खिताब जीता। इस जीत से बहुत खुश हूं।'

रिंकू की टीम ने भुवी की लखनऊ को 94 रनों से हराया

नई दिल्ली। रिंकू सिंह की अगुआई वाली मेरठ मेवरिक्स ने रविवार (6 सितंबर) को भुवनेश्वर कुमार की अगुआई वाली लखनऊ फॉल्कंस को 94 रनों से हराकर यूपी टी20 लीग 2026 का खिताब जीता। मेरठ ने दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले 2024 में माधव कौशिक की कप्तानी में मेरठ ने पहले सत्र का खिताब जीता था। 2025 में भी टीम फाइनल खेली थी।

मेरठ मेवरिक्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दिव्यांश जोशी की शतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 203 रन बनाए। इसके जवाब में लखनऊ फॉल्कंस की टीम 16 ओवर में 109 रन पर आउट हो गई। मेरठ के लिए विशाल चौधरी ने 4 विकेट झटके। इस तरह मेरठ ने लखनऊ की टीम से क्वालिफायर-1 में हार का बदला भी ले लिया।

अभिनंदन सिंह ने 40 रन देकर तीन विकेट लिए- स्वास्तिक चिकारा ने 14 गेंदों पर 18 रन बनाए, जबकि ऋतुराज शर्मा ने 17 गेंदों पर 24 रन बनाए। अक्षय दुबे ने 10 गेंदों पर 15 रन बनाए, जिसमें दो छक्के शामिल थे। यश गर्ग 21 गेंदों पर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। लखनऊ फाल्कंस के लिए अभिनंदन सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने चार ओवर में 40 रन देकर तीन विकेट लिए। भुवनेश्वर कुमार, विप्रज निगम और अजीत वर्मा ने एक-एक विकेट लिया।

दिव्यांश जोशी ने 40 गेंद पर ठोके 105 रन

मेरठ मेवरिक्स के लिए दिव्यांश जोशी ने सिर्फ 40 गेंदों पर 12 चौकों और 7 छक्कों की मदद से जबरदस्त 105 रनों की पारी खेली। उनकी जबरदस्त पारी 262.5 के शानदार स्ट्राइक रेट से आई, जिसने मेवरिक्स को 200 के स्कोर के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। मेरठ ने पूरी पारी में 10.2 रन प्रति ओवर के रनरेट से रन बनाए रखा। इससे लखनऊ फाल्कंस के सामने मुश्किल लक्ष्य रखा।

भारत को 2021 में हराने के बाद शुरू हुई बर्बादी

● पाकिस्तानी टीम की बदहाली पर बोले मोहम्मद यूसुफ

नई दिल्ली। मोहम्मद यूसुफ ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की बदहाली का कारण 2021 टी20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ मिली जीत को बताया। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि पांच साल पहले भारत के खिलाफ मिली 10 विकेट की जीत का पाकिस्तान टीम पर बुरा असर पड़ा। खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। हर कोई पाकिस्तान का कप्तान बनने के बारे में सोचने लगा। मोहम्मद यूसुफ ने समा टीवी पर कहा, '2021 में भारत के खिलाफ जो मैच हमने जीता, उससे हमें बहुत नुकसान हुआ। क्योंकि उस जीत के बाद खिलाड़ियों को लगने लगा कि उन्होंने कुछ बड़ा हासिल कर लिया है। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उन्हें आगे क्या करना है। जब आप अच्छा परफॉर्म कर रहे हों, तो आपको विनम्र रहना चाहिए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए न्यायाधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670